प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-59 | मथुरा, शनिवार, 25 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

कोसीकलां क्षेत्र के एक होटल में भीषण आग से मचा हड़कंप

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां। कोटवन बॉर्डर क्षेत्र में स्थित ओल्ड राय होटल में शनिवार की शाम यकायक भीषण आग लगने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

होटल में उस समय मौजूद ग्राहक जो वहां भोजन कर रहे थे, अचानक लगी आग को देख घबरा गए और अपनी जान बचाने के लिए बाहर की ओर दौड़ पड़े। कई लोगों ने भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई।

मिली जानकारी के अनुसार, होटल में आग लगते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और अग्निशमन टीम को सूचना दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे होटल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया और काफी देर की मेहनत के बाद आग को नियंत्रित कर लिया गया।

घटना के दौरान होटल में मौजूद कर्मचारियों और अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। हालांकि, आग से होटल को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र को घेर लिया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। साथ ही आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है, लेकिन वास्तविक वजह जांच के बाद ही सामने आएगी। इस घटना ने एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आग और धुआं को देखकर मची भगदड़

दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

गबन के आरोपी एक्सईएन ने बिना आदेश ले लिया चार्ज

हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल करने पर देरी में हुआ था निलंबित

एक्सईएन के खिलाफ 12.47 लाख गबन की चल रही है जांच

यूनिक समय, मथुरा। पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड में गबन के आरोपी एक्सईएन ने बहाल होकर शनिवार को फिर से चार्ज ले लिया है। प्रभारी एक्सईएन ने मुख्यालय के रिलीव आदेश पर ही चार्ज सौंपा है। जबकि ऑडिट रिपोर्ट पर उसके खिलाफ 12.47 लाख रुपये के गबन की जांच लंबित है।

पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के एक्सईएन एके सिंह को हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल करने में देरी पर शासन ने 24 जनवरी को निलंबित किया था। साथ ही उन्हें लखनऊ मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया था। निर्माण खंड प्रथम के एक्सईएन गुलवीर सिंह को प्रांतीय खंड का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। तीन माह बाद भी निलंबित एक्सईएन एके सिंह ने गुलवीर सिंह को न तो चार्ज सौंपा और न ही लखनऊ मुख्यालय में योगदान किया था। करीब एक सप्ताह बाद गुलवीर सिंह को प्रांतीय खंड में चार्ज लेना पड़ा। तभी से गायब एक्सईएन एके सिंह को गत 24 अप्रैल में तीन माह पूरे होने पर भगोड़ा घोषित करना था, किंतु ठीक एक दिन पहले ही एके सिंह ने मुख्यालय में योगदान कर दिया। इसके कुछ ही घंटों में उन्हें बहाल भी कर दिया गया। इतना ही नहीं अगले दिन ही उन्हें मुख्यालय से बिना किसी तैनाती जिक्र के रिलीव भी कर दिया गया। पीडब्ल्यूडी के इतिहास में किसी निलंबित एक्सईएन के साथ इतनी जल्दबाजी पहली बार ही देखने में आई है।

निलंबित एक्सईएन पर कर्मचारियों की ई-ऑफिस ट्रेनिंग को मिले 12.47 लाख रुपए के गबन की जांच अब भी लंबित है। इसका खुलासा अक्टूबर 2025 को विशेष ऑडिट टीम ने किया था। इसी पर प्रदेश के एकाउंटेंट जनरल ने विभाग से जांच कराई जा रही है। शनिवार को सिर्फ रिलीविंग आदेश से ही एके सिंह ने प्रांतीय खंड में चार्ज लेने आए। यहां दबाव के चलते प्रभारी एक्सईएन ने बिना आदेश ही सहजता से चार्ज भी सौंप दिया। देखना यह है कि ऐसे में एक्सईएन एके सिंह गबन के आरोपों के कागजातों को शीघ्र ही खुर्द बुर्द करके अपने खिलाफ सबूतों को मिटा सकते हैं।

महिला ने एक साथ तीन बेटों को दिया जन्म

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जहां गांठोली निवासी बीना ने एक साथ तीन बेटों को जन्म दिया है। चिकित्सा विज्ञान में एक साथ तीन बच्चों का जन्म देना काफी जटिल माना जाता है और अमूमन इसके लिए ऑपरेशन का सहारा लेना पड़ता है। लेकिन गोवर्धन सीएचसी की टीम ने अपनी काबिलियत से इस नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। बिना किसी ऑपरेशन के बीना ने तीनों बच्चों को सुरक्षित जन्म दिया। इस अनोखी खबर के फैलते ही अस्पताल में उत्सव जैसा माहौल हो गया। समाजसेवी और भाजपा नेत्री डॉ. पूनम सिंह एडवोकेट भी अस्पताल पहुंचीं और जच्चा-बच्चा का हाल जाना। भानु प्रताप के परिवार में पहले से दो बेटियां थीं, लेकिन अब इन तीन छोटे भाइयों के आने से परिवार की खुशियां पांच गुना बढ़ गई हैं।

सीएचसी प्रभारी डॉ. नेहा चौधरी ने शनिवार की दोपहर एक बजे बताया कि मामला वाकई चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि तीन बच्चों का नॉर्मल प्रसव रिस्की होता है। लेकिन हमारी टीम ने हिम्मत नहीं हारी। मां और तीनों बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। वहीं समाजसेवी डॉ. पूनम सिंह का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी अस्पताल में ऐसी सुविधा और सफलता मिलना गर्व की बात है। डॉक्टरों की टीम बधाई की पात्र है। फिलहाल जच्चा और तीनों नवजात डॉक्टरों की निगरानी में हैं। ग्रामीण इस सफल प्रसव को गोवर्धन सीएचसी की बड़ी उपलब्धि मान रहे हैं। तो वहीं भानु प्रताप का परिवार इसे साक्षात गिरिराज जी की कृपा बता रहा है।

अस्पताल में उत्सव जैसा माहौल

बुलंद हौसले

दिव्यांग पिंटू बन गया स्वावलंबी

भीख मांगने वाले दिव्यांगों के लिए बना प्रेरणास्त्रोत

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में अनेक दिव्यांगों को दूसरों के आगे हाथ पसारते देखा जा सकता है, लेकिन उनसे अलग हटकर दिव्यांग पिंटू बघेल उर्फ बंटी की सोच अलग है। वह दिव्यांग जरूर है पर कुछ करने का हौसला भी रखता है। वह दिव्यांग होते हुए स्वावलंबी बनकर जिंदगी जीना चाहता है। अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दो वक्त की रोटी मेहनत करके खाना चाहता है।

रमणरेती क्षेत्र में दिव्यांग पिंटू बघेल को गन्ना का रस बेचते देखकर एक बार लोग ठिठकते हैं और फिर उसका हौसला बढ़ाकर गन्ना का रस खरीदकर पीते हैं। बाहर से आने वाले श्रद्धालु उसकी तारीफ भी करते हैं।

गन्ना का रस बेचता दिव्यांग पिंटू बघेल उर्फ बंटी।

इसकी वजह भी दूसरे दिव्यांगों को भीख मांगते हैं तो दूसरी ओर दिव्यांग पिंटू बघेल को मेहनत करते देखते है। गरीब एकता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक महाजन एडवोकेट ने भी दिव्यांग पिंटू बघेल की कदम को सराहा। कहा कि वह दूसरे दिव्यांगों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। मेहनत करने से किसी को पीछे हटना नहीं चाहिए। यूनिक समय के टीम प्रभारी ने पिंटू बघेल से प्रश्न किया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की दिव्यांगों के लिए चल रही योजनाओं का लाभ उसने लिया या नहीं। जवाब मिला.. कि कई बार सरकारी कार्यालयों तक गया, लेकिन निराशा हाथ लगी। हार थक कर उसने दूसरों से मदद लेकर स्वावलंबी बनने की ठानी। उसने एक गन्ने के रस की ढकेल बनवाई और गन्ना का रस निकालने की मशीन कसवाई। फिर क्या भगवान ने उसका हाथ पकड़ा और उसने गन्ना का रस बेचना शुरू किया। अब वह संतुष्ट है कि कम से कम मेहनत कर परिवार का पालन पोषण कर रहा है। वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने की कोशिश करेगा।

मन में कुछ करने का जज्बा हो तो दिव्यांगता पर पड़ता है भारी

जिले में मई और जून महीने का एक साथ मिलेगा राशन

भंडारण की कमी से बदली व्यवस्था

दो महीने का राशन एडवांस देने का फैसला लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी

यूनिक समय, मथुरा। जिले में सरकारी राशन लेने वालों के लिए राहत भरी खबर है। भंडारण की कमी के कारण जिला पूर्ति विभाग ने नई व्यवस्था लागू की है। अब लोगों को दो महीने का राशन पहले ही दिया जाएगा। इस फैसले से हजारों लाभार्थियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। मिली जानकारी के अनुसार, इस समय मई महीने का राशन दिया जा रहा है। अप्रैल का राशन पहले ही बांटा जा चुका है। मई का राशन 24 अप्रैल से आठ मई तक वितरित किया जा रहा है। खास बात यह है कि जून महीने का राशन भी मई के दूसरे सप्ताह में ही दे दिया जाएगा। विभाग के अनुसार, जिले में राशन रखने के लिए पर्याप्त गोदाम नहीं हैं। इसी वजह से राशन को समय से पहले ही बांटने का फैसला लिया गया है और जून माह का राशन मई के दूसरे सप्ताह में बाटा जाएगा। ताकि कोई भी सामग्री खराब न हो और वितरण में दिक्कत न आए। राशन लेने पहुंचे कई लोगों ने इस फैसले पर खुशी जताई। उनका कहना है कि एक माह में दो माह का राशन दिया जा रहा है बहुत ही अच्छा कार्य किया जा रहा है। जून माह का भी मई में दिया जाएगा। बहुत ही सराहनीय काम किया है। भंडारण की समस्या के बीच लिया गया यह फैसला आम लोगों के लिए राहत दे रहा है और जनपद में राशन लेने वालों के चेहरों पर साफ मुस्कान देखी जा रही है।

विशेष अनुरोध

यदि आपको यूनिक समय समाचार पत्र की प्रति (कॉपी) प्राप्त नहीं हो रही है तो हमारे इस मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं।
8394983366

कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई होमगार्ड भर्ती परीक्षा

होमगार्ड परीक्षा में 3127 रहे अनुपस्थित

होमगार्ड भर्ती परीक्षा के बाद परीक्षा केंद्र से बाहर निकलते अभियार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस भर्ती एंव प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय परीक्षा में शनिवार को होमगार्डस के पदों पर होने वाली परीक्षा जनपद के 17 परीक्षा केद्रों पर हुई। आज परीक्षा में कुल 14208 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी, लेकिन परीक्षा को 3127 परीक्षार्थियों ने छोड़ दिया। इस तरह 11081 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

पुलिस भर्ती एंव प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय होमगार्ड भर्ती परीक्षा मथुरा जनपद के

होमगार्ड भर्ती परीक्षा में आज 17 केंद्रों पर 1181 परीक्षार्थी बैठे

17 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। परीक्षा से पूर्व जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने उन सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया जहां परीक्षा होनी थी। दोनों अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर की जाने वाली व्यवस्थाओं को बारीकी से जांचा। इसके साथ ही केंद्र व्यवस्थापक को परीक्षा को नकल विहीन और शांतिपूर्ण माहोल में कराए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों पर भारी पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। होमगार्डस की भर्ती परीक्षा में मथुरा जनपद में 14208 अभियार्थियों को परीक्षा देनी थी। लेकिन पहले ही दिन 11081 परीक्षार्थी परिक्षा में शामिल हुए। 3127 परीक्षार्थियों ने परीक्षा को छोड़ दी। परीक्षा अभी दो दिन तक जारी रहेगी।अस्पताल प्रबंधन से दीपक गोयल ने बताया कि अब आयुष्मान भारत कार्ड एवं सभी टीपीए के माध्यम से 24 घंटे मरीजों के

होमगार्ड परीक्षा को लेकर जंक्शन पर सुरक्षा रही चाक-चौबंद

जंक्शन सुरक्षा के लिए तीन सेक्टर में बांटा

उप निरीक्षक को बनाया सेक्टर प्रभारी

यूनिक समय, मथुरा। होमगार्ड परीक्षा को लेकर मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। जंक्शन को तीन सेक्टरों में बांटा गया। प्रत्येक सेक्टर का प्रभारी उप निरीक्षक को बनाया गया है। होमगार्ड परीक्षा को लेकर शनिवार को जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के इंतजाम सख्त रहे। आगरा और कासगंज की ओर से आने वाली ट्रेनों में परिक्षार्थियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए आवश्यक पुलिस बल तैनात किया गया। सुरक्षा को ध्याम में रखते हुए समूचे जंक्शन क्षेत्र को तीन सेक्टरों में बांटा गया है। प्रत्येक सेक्टर का प्रभारी उप निरीक्षक को बनाया गया है। प्लेटफार्म ड्यूटी के लिए थाने से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। जीआरपी के साथ साथ आरपीएफ के जवानों को भी सुरक्षा में तैनात किया गया है। जंक्शन के साथ साथ छावनी रेलवे स्टेशन पर भी अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। भीड़ नियंतत्रण के लिए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से नजर रखी जा रही है। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह ने बताया कि होमगार्ड परीक्षा को लेकर पूरे जंक्शन परिक्षेत्र पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कीगई है।

भर्ती, इलाज एवं ऑपरेशन की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि समाजहित में ऐसे शिविरों का आयोजन आगे भी लगातार किया जाता रहेगा। इस अवसर पर दिनेश राजपूत, सौरभ, यश, राधा बल्लभ, निकिता, नरेंद्र चौहान सहित समस्त स्टाफ ने मरीजों को सुव्यवस्थित तरीके से सेवाएं प्रदान कीं। शिविर को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह देखा गया।

तापमान / मौसम

44 डिग्री सेल्सियस
अधिकतम

26 डिग्री सेल्सियस
न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरट 1,52,810
22 कैरट 1,40,585
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)
चांदी
2,45,690 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

- 112 -आपातकालीन सेवा
- 1962 - रेलवे हेल्पलाइन
- 100 - पुलिस
- 108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
- 102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
- 101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
- 1090 - महिला हेल्पलाइन
- 1091 - महिला पुलिस सहायता
- 1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
- 104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
- 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
- 1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
- 1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

डीएम ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

वेयर हाउस का निरीक्षण करते डीएम सीपी सिंह एवं अन्य अधिकारीगण और राजनीतिक दलों के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस बाद का मासिक बाहरी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि जो सुरक्षा में तैनात कर्मी है उनको कोई असुविधाएं नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान इंडियन नेशनल कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष बलवीर सिंह धनगर, समाजवादी पार्टी के सोनू ठाकुर तथा बहुजन समाज पार्टी के टीकेन्द्र सिंह व लोक निर्माण विभाग प्रथम के अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तपेश भारद्वाज बने भाजपा महानगर जिला कार्यकारिणी सदस्य

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी संगठन ने महानगर जिला कार्यकारिणी की नई टीम की घोषणा की है, जिसमें कुल 58 सदस्यों को शामिल किया गया है। प्रदेश नेतृत्व की संस्तुति के बाद जारी सूची में वरिष्ठ भाजपा नेता तपेश भारद्वाज को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सूची जारी होने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। तपेश भारद्वाज ने इस जिम्मेदारी के लिए प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह और पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा महानगर जिला कार्यकारिणी टीम आने वाले समय में संगठन को

तपेश भारद्वाज

और मजबूत करने का काम करेगी। बूथ स्तर तक पार्टी की पकड़ मजबूत करने और जनसंपर्क बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिसका सकारात्मक परिणाम आगामी चुनावों में देखने को मिलेगा।

नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर स्थानीय स्तर पर भी चर्चा है और इसे संगठन को गति देने वाला कदम माना जा रहा है।

भाजपा महानगर कार्यकारिणी का गठन

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की सहमति से भाजपा महानगर के जिलाध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है।

घोषित सूची में 12 पदाधिकारी, विशेष आमंत्रित सदस्य तथा 58 कार्यकारिणी सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आज कार्यकारिणी की दूसरी शेष सूची जारी की गई है, जिसमें संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर कार्यकर्ताओं को नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी संगठन की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त पदाधिकारियों में जिला महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, सह मीडिया प्रभारी कौशल बंसल व रजत वाल्मीकि, सह कोषाध्यक्ष सुधांशु खंडेलवाल, कार्यालय मंत्री विशाल *गुप्ता एवं बृजेश अहेरिया, मोहन शर्मा, सोशल मीडिया प्रभारी शुभम ठाकुर, सह सोशल मीडिया प्रभारी मोहन भारद्वाज, आईटी संयोजक ज्ञानेंद्र लवानिया, सह आईटी संयोजक आशीष शर्मा तथा मन की बात"कार्यक्रम के जिला प्रमुख बलराम शर्मा को दायित्व सौंपे गए हैं। नवगठित कार्यकारिणी से संगठन को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत, वृंदावन नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष मुकेश गौतम, पूर्व पालिकाध्यक्ष पुष्पा शर्मा के प्रतिनिधि रहे योगेश द्विवेदी, राजेश पंडित को भारतीय जनता पार्टी महानगर मथुरा विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। इस अवसर पर महापौर विनोद अग्रवाल, विधायक श्रीकांत शर्मा, महानगर महामंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी, ज्ञानेंद्र राणा, विनीत शर्मा, उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक, ललित गौतम, संजय शर्मा, मंत्री अंकुर गुर्जर, पार्षद मनोज सौनोठ, प्रणय पाराशर, जिला प्रतिनिधि विजय शर्मा, पूर्व पार्षद मदन मोहन श्रीवास्तव, होली गेट मंडल अध्यक्ष लोकेश तायल, महामंत्री नितिन चतुर्वेदी ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को बधाई दी।

'सारंग हाई इम्पैक्ट स्कूल' में शिक्षा की नई पहल

मध्यम वर्ग और ईडब्ल्यूएस छात्रों के लिए 50 प्रतिशत स्कॉलरशिप

यूनिक समय, वृंदावन। शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय कदम उठाते हुए 'सारंग हाई इम्पैक्ट स्कूल' ने मथुरा-वृंदावन के मध्यम वर्गीय और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। विद्यालय के डायरेक्टर मार्तण्ड देव उपाध्याय ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि योग्य छात्रों को एडमिशन फीस में 50 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप दी जाएगी।

प्रेस वार्ता में अपने विचार रखते हुए डायरेक्टर मार्तण्ड देव उपाध्याय ने कहा कि हमारा लक्ष्य है मथुरा का हर बच्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करे।

मार्तण्ड देव उपाध्याय, डायरेक्टर

आर्थिक तंगी किसी की प्रतिभा के बीच नहीं आनी चाहिए, इसीलिए हमने ईडब्ल्यूएस और मिडिल क्लास परिवारों के लिए यह विशेष स्कॉलरशिप योजना शुरू की है। उन्होंने बताया कि यह सुविधा केवल पहले 50 रजिस्ट्रेशन कराने वाले छात्रों के लिए ही उपलब्ध रहेगी।

उपाध्याय ने विद्यालय की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मथुरा का एकमात्र स्कूल है जो कक्षा 8वीं तक इंटरनेशनल और ग्लोबल करिकुलम प्रदान करता है, जबकि कक्षा 9वीं और 10वीं में छात्र सीबीएसई बोर्ड से शिक्षा ग्रहण करते हैं। यह शिक्षा प्रणाली बच्चों को भविष्य की चुनौतियों और 2030 के दशक की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करती है। विद्यालय में कक्षा एक से ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स की शिक्षा दी जा रही है। साथ ही एडवांस्ड एक्टिविटी लैब्स, आर्चरी (धनुर्विद्या), शतरंज और प्रोफेशनल स्पोर्ट्स सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। स्मार्ट एआई-आधारित क्लासरूम, सीसीटीवी युक्त सुरक्षित परिसर और वैल्यू-बेस्ड शिक्षा इसे विशेष बनाते हैं।सत्र 2026-27 के लिए प्ले ग्रुप से कक्षा 9वीं तक एडमिशन खुले हैं। अभिभावक चैतन्य विहार, फेज-1, वृंदावन स्थित विद्यालय कैंपस का भ्रमण कर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

रेलवे सुरक्षा अधिकारियों ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री पी. राज मोहन के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मथुरा जंक्शन ने विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया। सहायक सुरक्षा आयुक्त अरुण कुमार वर्मा के निर्देशन, रेल सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक उपदेश कुमार कौशिक ,उप निरीक्षक रेल सुरक्षा बल मथुरा सूरज मीना ने नरहौली पुल के नीचे रेलवे ट्रैक के पास स्थित एस.आर. पब्लिक स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों के मध्य जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

हाईवे पर हुआ भीषण हादसा

होमगार्ड की परीक्षा देने आ रहे बाइक सवार मामा-भांजे की मौत

यूनिक समय, मथुरा। आगरा से होमगार्ड की परीक्षा देने के लिए बाइक से मथुरा आ रहे मामा-भांजे की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जबकि भतीजा मौत और जिंदगी से जूझ रहा है। वहीं दूसरी घटना में बीती रात यमुना एक्सप्रेस वे पर महावन थाना क्षेत्र में सड़क पर खड़े कंटेनर से एक कंटेर टकरा गई। दुर्घटना में चालक की मौत हो गई और क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

एक परिवार के मामा-भांजे और भतीजे ने होमगार्ड में भर्ती होने के लिए फॉर्म भर रखा था। होमगार्ड भर्ती के लिए आज उनकी परीक्षा मथुरा में होनी थी। युवक मनजीत निवासी पोइया आगरा परीक्षा देने के लिए अपने भतीजे टीटू और भांजे साकिर के साथ तीनों बाइक से मथुरा में परीक्षा देने के लिए आज प्रातः आगरा से आ रहे थे। मथुरा में हाईवे से सर्विस रोड पर थाना

गंभीर रूप से घायल भतीजा मौत जिंदगी और मौत से जूझ रहा है

एक्सप्रेस वे पर कैंटर के पीछे से कंटेनर टकराई चालक की मौत

क्लीनर गंभीर रूप से घायल, चालक कंटेनर भगा ले गया

रिफाइनरी की चौकी बाद के समीप पीछे से तेज गति से आते अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक वाहन को भगा ले गया। दुर्घटना का पता लगने पर काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। पुलिस को जैसे ही दुर्घटना का पता लगा तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गंभीर रूप से घायल युवक साकिर को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने दुर्घटना में मृत दोनों युवकों से मिले कागजात के आधार पर परिवार के लोगों को घटना के बारे में सूचना दी। पुलिस ने मनजीत और उसके भतीजे टीटू के शवों को पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना का पता लगने पर परिवार में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में परिवार और उनके मिलने वाले मोरचरी पर पहुंच गए। परिवार के लोगों ने बताया कि मनजीत बीएससी कर चुका था। आगे एलएलबी में प्रवेश लेने वाला था, लेकिन कुदरत को तो कुछ और ही मंजूर था।

वहीं दूसरी दुर्घटना शुक्रवार की मध्य रात्रि करीब 12 बजे थाना महावन क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे पर माइल स्टोन सख्या 168 पर हुई। बताया गया है कि बीती रात इलाहाबाद से मटर भरने के बाद कैंटर चालक नसीब निवासी बुगाना लाखू तहसील इसराना जनपद पानीपत हरियाणा पानीपत के लिए आ रहा था। यमुना एक्सप्रेस वे पर रात को करीब 12 बजे माइल स्टोन सख्यां 168 पर सड़क किनारे आगे चल रहे कंटेनर के चालक ने अचानक कंटेनर को रोक दिया। जिससे पीछे से आते चालक नसीब की कैंटर कटेनर से टकरा गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कैंटर चालक की तुरंत मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ ही क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस और एक्सप्रेस वे अर्थारटी को दुर्घटना का पता लगा तो कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कैंटर में फंसे घायल चालक और क्लीनर को बाहर निकाला।

उस समय तक चालक की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घायल क्लीनर को तुरंत एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया। बताया गया कि दुर्घटना को अंजाम देने वाला कंटेनर का चालक गाड़ी को भगा ले गया। दुर्घटना का पता लगने पर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने चालक के शव को पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कार से चोरी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने एक कार से पर्स चोरी करने के मामले में दो शातिर चारों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के जेवरात आदि बरामद किए हैं।

पुलिस ने बताया कि 23 अप्रैल को एक कार से चोरों ने महिला का पर्स चोरी कर लिया था। पर्स में कीमती सामान के अलावा जेवरात अंगूठी, पायल, मंगल सूत्र, सोने की चेन पांच हजार रुपये और मोबाइल फोन आदि थे। पुलिस ने कार से पर्स

चोरों से जेवरात और नकदी व पर्स बरामद

चोरी करने के मामले में बारह घाट लाडली निकुंज गेट परिक्रमा मार्ग से सुनरख जाने वाले कच्चे रास्ते से अभियुक्त रिंकू व अजय निवासी मोहन नगर कालोनी बिरला मंदिर के पीछे चौधरी के मकान में किराए पर रहते हैं को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पर्स और जेवरात बरामद किए हैं।

शादी का झांसा देकर युवक ने किया दुराचार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के प्रेम मंदिर में हुए प्रेम के बाद आगरा की युवती को राया के रहने वाले युवक ने शादी का झांसा देकर कई बार सबंध बनाए। इसके बाद उसका अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस मामले में युवक और उसके परिवार के पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

आगरा की रहने वाली एक युवती ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि वह अपने परिवार के साथ प्रेम मंदिर में दर्शन करने के लिए आई थी। वहां पर राया के गांव अतां की नगरिया

शादी के दबाव पर युवती का अश्लील वीडियो किया वायरल

युवक सहित पांच लोगों के खिलाफ कराई रिपोर्ट

निवासी युवक चंद्रवीर से हुई थी। चंद्रवीर ने कमरा दिलाने के बहाने उससे संपर्क बढ़ाया और उसका व स्वजनों का नंबर ले लिया। एक माह के बाद दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया। धीरे धीरे दोनों के बीच प्रेम सबंध बन गए। युवती का कहना है कि चंद्रवीर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक सबंध बनाए इसके साथ ही उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। युवती का कहना है कि जब उसने शादी के लिए परिवार से कहना शुरू किया तो चंद्रवीर के परिवार के लोग टालने लगे। शादी का दबाव देने पर चंद्रवीर ने बनाए गए अश्लील वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस मामले में युवती की तहरीर पर चंद्रवीर सहित उसके परिवार के पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

हत्या का प्रयास करने वाला आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने गांव तेहरा में दो पक्षों द्वारा आपस में झगड़ा करने और जानसे मारने का प्रयास करने के मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ चौकी इंचार्ज बिचपुरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इस मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त गांव भूड़री थाना राया निवासी बबीन को एक सूचना के आधार पर मथुरा-हाथरस रोड पर पेट्रोल पंप के बराबर जाने वाले कच्चे रास्ते गिरफ्तार किया है। पुलिस ने युवक को झगड़ा और जानलेवा हमला करने की रिपोर्ट में नामजद किया था।

आत्महत्या को प्रेरित करने वाला किन्नर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। एक महिला को कम देहज लाने पर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले किन्नर को थाना गोविंदनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

थाना गोविंदनगर क्षेत्र में एक महिला को देहज कम लाने को लेकर ससुराल में तंग किया जा रहा था। मायके से दहेज कम लाने को लेकर किन्नर द्वारा महिला को इतना टॉर्चर किया गया कि वह आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो गई। महिला ने

कम दहेज लाने पर किया था महिला को टॉर्चर

आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में किन्नर को नामजद किया गया था। गोविंदनगर पुलिस ने थाना कोतवाली अलवर के आर्यनगर में भानू आटा चक्की के समीप से गिरफ्तार कर लिया।

रोडवेज बस ने टेंपो को मारी टक्कर

यूनिक समय मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर आज बरारी के समीप हरियाणा रोडवेज की बस ने ओवरटेक करने के चक्कर में सड़क किनारे लोडर वाहन को टक्कर मार दी। इसी दौरान बस ने टेंपो को भी अपनी चपेट में लिया। टेंपो बुलेरो से भी टकराया। दुर्घटना में एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के चलते लोगों में अफरातफरी मच गई। घायलों में टेंपो और बस चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बताया गया कि आगरा से दिल्ली के लिए जाती रोडवेज बस बरारी फ्लाईओवर पर ओवर टेक करने प्रयास में सड़क किनारे खड़े लोडर से टकरा गई।

बस ने सामने चलते टेंपो को भी जोरदार टक्कर मार दी। बस की टक्कर से टेंपो सड़क पर कई पलटे खाता हुआ बुलेरो से टकरा गया। बरारी फ्लाई ओवर पर हुए इस भीषण हादसे के चलते हाईवे पर वाहनों का संचालन ठप हो गया। दुर्घटना के कारण मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस भी मौके

सड़क पर पलटे खा कर बुलेरो से टकराया टेंपो

दुर्घटना में एक दर्जन लोग हुए घायल, दो लोगों की हालत गंभीर

ओवर टेक करने के चक्कर में बस लोडर से भी टकराई

पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को निकाल कर पीएचसी फरह पर पहुंचाया। पांच घायल पीएचसी पर पहुंचे, जबकि आधा दर्जन से अधिक घायलों को प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि बस चालक और टेंपो चालक की हालत गंभीर बनी हुई है। दुर्घटना में टेंपो में सवार लोगों को गंभीर चोटे आई है। पुलिस ने दुर्घटना ग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर मार्ग को आवागमन के लिए सुचारू किया।

छाता–शेरगढ़ रोड पर खनन माफिया का आतंक

ओवरलोड डंपरों की रफ्तार से बढ़ा हादसों का खतरा

खनन से लदे ओवर लोड डम्पर।

यूनिक समय, शेरगढ़। खनन माफिया के गिट्टी से भरे ओवर लोड डम्पर छाता–शेरगढ़ रोड पर चेकिंग से बचकर तेज रफ्तार से निकल रहे हैं। इसके चलते रात्रि में दुर्घटनाओं का खतरा अधिक बढ़ गया है। स्थानीय लोग भी रात्रि में सड़क पर चलने से डरने लगे हैं। साथ ही सड़क पर छोटे वाहनों का चलना भी दुश्वार हो रहा है।

गिट्टी माफिया का दबदबा बढ़ता जा रहा है। छाता-शेरगढ़ रोड पर रात्रि के समय गिट्टी से लदे तेज रफ्तार डम्परों के चलते सड़क पर स्थानीय लोगों का चलना मुश्किल हो रहा है। माफिया ने इस तरह की सेटिंग बिठा रखी है कि उन्हें इस बात की सटीक जानकारी होती है कि इस समय रोड पर चेकिंग दल नहीं होगा। इसके साथ ही चेकिंग दल के बारे में माफिया को पूरी जानकारी कैसे रहती है। चेकिंग से बचने के लिए रात के समय गिट्टी से लदे इन ओवर लोड डम्परों के चालक चेकिंग से बचने के लिए इस मार्ग से इतनी तेजी से वाहनों को दौड़ाते हैं कि कुछ ही देर में डम्पर वहां से हवा हो जाते हैं। सड़क पर तेज रफ्तार से दौड़ते इन डम्परों के चलते सड़क पर चलने वाले लोगों की जान को खतरा पैदा हो रहा है। कब कौन तेज रफ्तार डम्पर की चपेट में आ जाए। इसके साथ ही सड़क पर बाइक और कार आदि चलने वाले वाहनों को भी पूरा खतरा बना रहता है।

माफिया के पास रहती है चेकिंग दल की सटीक जानकारी

खनिज विभाग और परिवहन विभाग के अधिकारी इस पूरे मामले में कार्रवाई करने के बजाय इसे क्यों नजरअंदाज कर रहे हैं। सवाल उठता है कि अधिकारियों को क्या इस पूरे खेल की जानकारी नहीं है। या फिर है तो अधिकारी जानबूझकर अंदेखी कर रहे हैं। खनन माफिया को अधिकारियों की इतनी सटीक लोकेशन आखिर कहां से मिल रही है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि सड़क पर रात्रि के समय जिस तरह से चालक इन ओवरलोड वाहनों को तेज गति से दौड़ाते हैं उससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस तरह के रात्रि में चलने वाले वाहनों के खिलाफ स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कार्रवाई करने की मांग की है।

पंचम पुण्यतिथि

स्व: श्रीमती भगवती देवी

सम्मुख नही आप हमारे, हृदय में आपका वास है।
मुस्कुराता हुआ चेहरा आपका, हमारी खुशियों की आस है।
प्रेम पाया जो आपसे, वो खुशी बनकर हमारे पास है।

आज आपकी पंचम पुण्यतिथि पर हम
सभी परिवारीजन आपको
हार्दिक श्रद्धा–सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धानवत्:- समस्त रमन मिठाई वाला परिवार
फर्म:- रमन मिष्ठान भण्डार, धौली प्याऊ, मथुरा
मो. 9411258666, 9837235982, 9412362785, 9897010436

चिराग अग्रवाल बने भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी जिला मथुरा महानगर की नई कार्यकारिणी टीम की घोषणा जिलाध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव द्वारा की गई। इस सूची में अग्रवाल समाज के चर्चित युवा नेता चिराग अग्रवाल को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से समाज में हर्ष का माहौल है। चिराग अग्रवाल इससे पहले भाजपा युवा मोर्चा में नगर महामंत्री तथा व्यापार प्रकोष्ठ में जिला सह संयोजक के पद पर कार्य कर चुके हैं। वर्तमान में वे कई सामाजिक संगठनों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जिनमें द ट्रेड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, श्री अग्रबंधु सेवा मंडल के संस्थापक तथा इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के महासचिव शामिल हैं।

उनकी नियुक्ति पर जिला महामंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी, व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग, रामलीला सभा अध्यक्ष जयंती प्रसाद अग्रवाल, युवा अग्रवाल सम्मेलन अध्यक्ष सोनू अग्रवाल, ट्रेडर्स एसोसिएशन महामंत्री दीपक सिंघल, सर्राफ कमेटी अध्यक्ष कंचन लाल अग्रवाल, श्री अग्रबंधु सेवा मंडल अध्यक्ष मयंक अग्रवाल, बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, अग्रवाल सम्मेलन अध्यक्ष ताराचंद अग्रवाल तथा वरिष्ठ नेता योगेश डिवीडी सहित अनेक लोगों ने खुशी व्यक्त की और उन्हें बधाई दी।

विश्राम घाट के विकास को लेकर परिषद् ने रखे सुझाव

यूनिक समय, मथुरा। तीर्थ नगरी के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल विश्राम घाट की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और इसे और आकर्षक स्वरूप देने की दिशा में प्रयास तेज हो गए हैं। 'श्री माथुर चतुर्वेद परिषद्' ने नगर आयुक्त को पत्र भेजकर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कई सुझाव प्रस्तुत किए हैं। परिषद् के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट द्वारा दिए गए पत्र में कहा है कि विश्राम घाट मथुरा का प्रमुख घाट है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुना जी की मंगला और शयन आरती में शामिल होते हैं। इस घाट पर रंगीन फसाड लाइट लगाने तथा आरती के उपरांत लेजर शो आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया है। इससे आने वाले श्रद्धालुओं को यमुना जी और घाट के पौराणिक महत्व की जानकारी भी मिल सकेगी। वर्तमान में लगे पुराने जनरेटर के स्थान पर लगभग 20 किलोवाट क्षमता का नया जनरेटर स्थापित करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही, गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के लिए आरओ युक्त दो बड़े वाटर कूलर और चार बड़े कूलर लग वाने की मांग की है।

सुविधाएं बढ़ाने पर जोर

साथ ही बंगाली घाट से विश्राम घाट के मध्य स्थित अन्य घाटों पर भी आकर्षक प्रकाश की व्यवस्था पूरी होनी चाहिए। ताकि रात्रि के समय दृश्यता बेहतर हो सके और व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें। वहीं घाट पर क्षतिग्रस्त पत्थर के खंभों के पुनर्निर्माण से कराने चाहिए।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

यूनिक समय, मथुरा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए ऋण आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार युवक–युवतियों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने के लिए अधिकतम 10 लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इच्छुक लाभार्थी ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अधिकारी ने बताया कि योजना में आरक्षित वर्ग के उद्यमियों को टर्म लोन पर 5 वर्ष तक ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा दी जाएगी। वहीं सामान्य वर्ग के पुरुष उद्यमियों को टर्म लोन पर 4 प्रतिशत ब्याज स्वयं वहन करना होगा, जबकि शेष ब्याज का भुगतान विभाग द्वारा किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन के लिए आधिकारिक वेबसाइट निर्धारित की गई है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 मई है। साथ ही, 20 मई को प्रार्थी आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, डी–33, भगवान नगर, टाउनशिप में सम्पर्क कर सकते है।

10 लाख तक मिलेगा ऋण

नंदोत्सव की धूम: 84 कोस परिक्रमा मार्ग पर भागवत कथा में झूमे श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। 84 कोस परिक्रमा मार्ग स्थित गांव मोहनपुर के नव स्थापित श्री राधा कृष्ण मंदिर में इन दिनों श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मंदिर परिसर पूरी तरह भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा हुआ है। भागवत आचार्य सुरेश महाराज के श्रीमुख से कथा का रसपूर्ण वाचन किया जा रहा है। कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। जैसे ही "नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" भजन गूंजा, श्रद्धालु भाव–विभोर होकर झूम उठे और भक्ति में लीन होकर नृत्य करने लगे। पूरे परिसर में उत्साह और आनंद का माहौल देखने को मिला। इस मौके पर भीक चंद्र शर्मा,सुरेश चंद्र भारद्वाज, योगेश भारद्वाज, मनोज भारद्वाज, नरेंद्र भारद्वाज, नंदकिशोर भारद्वाज एवं धीरज भारद्वाज सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

दो साइबर ठग गिरफ्तार

यूनिक समय, शेरगढ़। पुलिस ने साइबर ठगी करने के मामले में वांछित चल रहे 25–25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों से मोबाइल, चाकू आदि बरमाद किए हैं।पुलिस ने बताया कि साइबर ठगी के मामले में अभियुक्त इरसाद निवासी गांव विशंभरा व आमीन काफी समय से वांछित चल रहे थे। पुलिस की ओर से इन पर 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। शेरगढ़ पुलिस ने इन दोनों अभियुक्तों को एक सूचना पर गंजवास तिराहे के समीप से दोनों को गिरफ्तार किया। पुलिस को इनके पास से एक चाकू, चार आधार कार्ड दो सिमकार्ड व दो मोबाइल भी बरामद हुए हैं।

विश्व मलेरिया दिवस पर जिले में गोष्ठी

बचाव के लिए जागरूकता पर दिया जोर

यूनिक समय, मथुरा। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, मथुरा में जनपद स्तरीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधावल्लभ ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को माइक्रोप्लान के अनुसार क्षेत्र में भ्रमण कर जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी को मलेरिया उन्मूलन की शपथ भी दिलाई और आम जनता से सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि घर में पानी के बर्तनों, ड्रम और टंकी को हमेशा ढककर रखें। सप्ताह में एक बार इन्हें खाली कर साफ करें। जहां पानी जमा होना रोका नहीं जा सकता, वहां मिट्टी का तेल या जला हुआ मोबिल ऑयल डालें। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें और मच्छररोधी क्रीम या नीम का तेल लगाएं। पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें।

मलेरिया दिवस पर शपथ लेते सीएमओ राधावल्लभ और डॉक्टर।

बुखार आने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं और दवा पूरी लें। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. गोपाल गर्ग ने लोगों को जागरूक करते हुए कहां कि मच्छर जनित रोगों से बचाव करना चाहिए। उन्होंने बताया कि समय पर जांच और सही इलाज से मलेरिया को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है। गोष्ठी में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार, डॉ. अनुज चौधरी, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह सहित मलेरिया विभाग के सभी निरीक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएमओ ने कर्मियों को दिए निर्देश, मच्छर जनित रोगों से बचाव के उपाय बताए

सूचना

मैं कुश सिंह पुत्र विजेंद्र सिंह, निवासी सेही सेही बांगर मथुरा-281406, बी.कॉम (ऑनर्स), रोल नंबर 2145000044 सूचित करता हूँ की मेरी 4-6th सेमेस्टर की मार्कशीट GLA बिल्डिंग में वास्तव में खो गई है। इनका किसी भी प्रकार का दुरुपयोग अवैध होगा।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं रेखा मीना, पत्नी स्व. सुमेर सिंह मीना, निवासी एफ. नं. 102, पी. नं. 107, विश्वस्वरीया नगर, गोपालपुरा बाईपास जयपुर (राजस्थान), 302018 द्वारा वर्ष 2010 में ओमेक्स वृंदावन में फ्लैट संख्या MEERA 4C/202 क्रय किया गया था। उक्त फ्लैट से संबंधित सभी मूल रसीदें/दस्तावेज (रसीद संख्या: 455375, 469035, 479157, 490664, 513556, 526850, 663975, 692428, 708203, 1791828, 1791829, 1858274, 1858275) कहीं खो गए हैं। अतः इनके गुम होने की सूचना दी जाती है, इनके किसी भी प्रकार के दुरुपयोग अवैध होगा।

जीएलए बीबीए के 15 छात्रों का आईसीआईसीआई बैंक में चयन

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के प्रबंधन संकाय ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता और बेहतर प्लेसमेंट रिकॉर्ड को साबित किया है। विश्वविद्यालय के बीबीए और बीबीए मैनेजमेंट साइंस के 15 विद्यार्थियों का चयन देश के प्रतिष्ठित आईसीआईसीआई बैंक में पांच लाख रुपये सालाना के आकर्षक पैकेज पर हुआ है। यह उपलब्धि स्नातक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता और विश्वविद्यालय के मजबूत कॉर्पोरेट नेटवर्किंग का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इस सफलता से न केवल विश्वविद्यालय का मान बढ़ा है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का नया मार्ग प्रशस्त हुआ है।

विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण, आधुनिक शिक्षण पद्धतियां और उद्योग उन्मुख प्रशिक्षण विद्यार्थियों को बेहतर करियर के लिए तैयार कर रहे हैं। प्रबंधन संकाय द्वारा नियमित रूप से आयोजित कार्यशालाएं, इंडस्ट्री

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के बीबीए के चयनित विद्यार्थी।

इंटरैक्शन, मॉक इंटरव्यू और व्यक्तित्व विकास सत्र विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ कॉर्पोरेट जगत में प्रवेश करने योग्य बनाते हैं।

चयनित विद्यार्थियों तान्या पोरवाल, नेहा अग्रवाल, देवांश गुप्ता, वंशिका शर्मा, दीपाली झा, चयन सचदेवा, अभिषेक कुमार, ज्योत्स्ना अग्रवाल, प्रिंस, दीपक चौधरी, सोनाली कलाकोटी, साक्षी कुमारी, पीयूष कुमार सिंह, श्रवण गुप्ता एवं सुशील कुमार को बैंक की निर्धारित कठिन चयन प्रक्रियाओं और मानकों को पूरा करने के बाद रिलेशनशिप मैनेजर पद के लिए योग्य पाया गया। इस प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार जैसे कई चरण शामिल थे, जिन्हें सफलतापूर्वक पार करने के बाद ही विद्यार्थियों को अंतिम रूप से चयनित किया गया। नियुक्ति से पहले इन विद्यार्थियों को कंपनी द्वारा दो महीने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद उन्हें बैंक की विभिन्न शाखाओं में तैनात किया जाएगा।

प्रबंधन संकाय के निदेशक प्रो. अनुराग सिंह ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत और संकाय के करियर–फोकस्ड दृष्टिकोण को दिया। उन्होंने कहा कि प्रबंधन संकाय का

जीएलए के छात्रों को पांच लाख सालना का आकर्षक पैकेज

लक्ष्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट जगत की वर्तमान जरूरतों के अनुसार डे–वन रेडी बनाना है। इसके लिए पहले दिन से ही ट्रेनिंग और इंडस्ट्री–कनेक्ट प्रोग्राम्स पर खास जोर दिया जाता है।

चयनित छात्रा तान्या पोरवाल ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि "जीएलए विश्वविद्यालय में मिले प्रशिक्षण, फैकल्टी के मार्गदर्शन और मॉक इंटरव्यू सत्रों ने हमें इंटरव्यू के लिए पूरी तरह तैयार किया। यहां का वातावरण हमें आत्मविश्वास देता है, जिसकी वजह से हम इस मुकाम तक पहुंच पाए।" विभागाध्यक्ष प्रो. उत्कल खंडेलवाल एवं एसोसिएट हेड प्रो. कृष्णवीर सिंह ने कहा कि संकाय अपने विद्यार्थियों को उनके समय और निवेश पर उच्चतम परिणाम दिलाने के लिए दृढ़ संकल्पित है और यही कारण है कि हर वर्ष बेहतर प्लेसमेंट परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बदलते समय को देखते हुए विश्वविद्यालय में परम्परागत बीबीए के साथ–साथ बीबीए मैनेजमेंट साइंस, बीबीए डेटा एनालिटिक्स एंड बिजनेस इंटेलिजेंस, बीबीए फैमिली बिजनेस और बीकॉम जैसे पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों को स्नातक स्तर पर ही रोजगार के बेहतरीन अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रमों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप लगातार अपडेट किया जाता है।

टेर्जनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट कॉरपोरेट रिलेशन अमित जैन ने कहा कि रोजगार बहुत है, स्टूडेंट को कंपनियों से मिलने वाले अवसरों को हाथ से निकलने नहीं देना चाहिए। इसके लिए भरपूर तैयारी की आवश्यकता है।

दोपहर 12 बजे के बाद सब्जी मंडी में कारोबार पर पेनाल्टी

7000 रुपये का जुर्माना वसूला

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सब्जी मंडी में सफाई व्यवस्था को लेकर मंडी प्रशासन अब सख्त हो गया है। मंडी में कारोबार का समय निर्धारित कर दिया गया है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। प्रशासन की इस सख्ती से जहां व्यापारियों में हलचल मची है, वहीं स्वच्छता व्यवस्था में सुधार से लोगों को राहत भी मिल रही है।

मंडी सचिव रेनू वर्मा ने बताया कि सब्जी मंडी में आधी रात से ही वाहनों का आवागमन शुरू हो जाता है और सुबह तड़के से खरीद–फरोख्त चालू हो जाती है। लगातार चलने वाले इस

मंडी सचिव रेनू वर्मा निरीक्षण के दौरान मजदूरों को छतरी बांटते हुए।

कारोबार के कारण सफाई कार्य प्रभावित हो रहा था।

इसे ध्यान में रखते हुए दो दिन पहले सभापति के निर्देशन में अभियान चलाया गया और निर्णय लिया गया कि मंडी में दोपहर 12 बजे तक ही कारोबार किया जाएगा, उसके बाद सफाई कार्य कराया जाएगा। शनिवार को निरीक्षण के दौरान मंडी निरीक्षकों की टीम ने तय समय के बाद भी कारोबार होते हुए पाया। इस पर कार्रवाई करते हुए एक दर्जन से अधिक व्यापारियों से कुल 7000 रुपये से जुर्माना वसूला गया। साथ ही भविष्य में नियमों का पालन न करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

साथ ही मजदूरों को बांटी गईं छतरियां भीषण गर्मी के बीच गेहूं की तुलाई कर रहे मजदूरों के लिए मंडी समिति ने सराहनीय पहल की। मजदूरों को धूप से बचाने के लिए छतरियां वितरित की गईं, जिससे उनके चेहरों पर खुशी दिखाई दी।

गो सम्मान अभियान के तहत बल्देव में निकली जनजागरण प्रभातफेरी

बल्देव में श्री राधा मान बिहारी लाल संकीर्तन मंडल द्वारा निकाली गई गो सम्मान अभियान की जनजागरण प्रभात फेरी में शामिल सुनील सिंह, विनय अग्रवाल, अमित भारद्वाज सहित अन्य।

यूनिक समय, बल्देव। कस्बा बल्देव में श्री राधा मान बिहारी लाल संकीर्तन मंडल के तत्वावधान में गो सम्मान अभियान के अंतर्गत जनजागरण प्रभात फेरी निकाली गई। यह फेरी चामड़ा माता मंदिर से शुरू होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई श्री दाऊजी महाराज की परिक्रमा के साथ अमित भारद्वाज के आवास पर संपन्न हुई। प्रभात फेरी का शुभारंभ मान मंदिर सेवा संस्थान के सचिव सुनील सिंह, प्रभात फेरी के संयोजक अमित भारद्वाज एवं नगर संघ चालक विनय अग्रवाल ने पूजन–अर्चना के साथ किया। सुनील सिंह ने कहा कि गो माता के सम्मान और संरक्षण के लिए हिंदू समाज को आगे आकर इस अभियान को सफल बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गो माता की सुरक्षा से ही सनातन धर्म और देश सुरक्षित रहेंगे। नगर संघ चालक ने कहा कि गो सेवा और सुरक्षा के लिए प्रत्येक हिंदू परिवार को इस अभियान से जुड़ना चाहिए। वहीं संकीर्तन मंडल के संयोजक ने बताया कि 27 अप्रैल को सुबह 11 बजे एसडीएम महावन को गो सम्मान अभियान के तहत तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर पर नीलमणि दासी, सीताराम दास, हनुमान बाबा, निमरती दास, सियाराम दास, बनवारी लाल गर्ग, सुरेंद्र चौधरी, देव अग्रवाल, दिनेश मोदी, दिलीप कुमार सिकरवार, पीयूष भारद्वाज, डॉ. गिरीश चंद्र, राज कुमार गर्ग, मनोज अग्रवाल, रिंकू सोनी, नरेंद्र कुमार मित्तल, हरी मोहन गर्ग, विष्णु पंडित, ललित मित्तल, पीयूष मित्तल, बिल्लू, राहुल, कान्हा सहित कई लोग मौजूद रहे।

केडी डेंटल कॉलेज में मना राष्ट्रीय मुख चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी दिवस

मुख के घावों की समय से जांच और उपचार जरूरी: डॉ. शिल्पी शर्मा

केडी डेंटल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में राष्ट्रीय मुख चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी दिवस पर अतिथि वक्ता के साथ छात्र–छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। केडी डेंटल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में राष्ट्रीय मुख चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी दिवस के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। अतिथि वक्ता डॉ. शिल्पी शर्मा ने मुख गुहा के पूर्व–घातक विकार तथा डॉ. निमिता राघव ने मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी में सीबीसीटी द्वारा सटीक इमेजिंग का अनावरण विषय पर अपने–अपने विचार साझा किए। अतिथि वक्ताओं का स्वागत केडी डेंटल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल की प्राचार्या डॉ. नवप्रीत कौर ने किया।

प्राचार्या डॉ. नवप्रीत कौर ने छात्र–छात्राओं को राष्ट्रीय मुख चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी दिवस की जानकारी देते हुए कहा कि इस दिन का उद्देश्य ओरल मेडिसिन, डायग्नोसिस, मैक्सिलोफेशियल रेडियोलॉजी और इमेजिंग विज्ञान की शिक्षा और अभ्यास के मानकों को उंचा उठाना है। केडी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेश लाहौरी ने कार्यक्रम की प्रशंसा की।

डॉ. शिल्पी शर्मा, एसोसिएट डायरेक्टर और यूनिट हेड, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, द्वारका, नई दिल्ली ने छात्र–छात्राओं को मुख गुहा के पूर्व–घातक विकारों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख गुहा के पूर्व–घातक विकार वे घाव हैं, जो कैंसर में बदलने की क्षमता रखते हैं। इन विकारों की पहचान और समय पर इलाज से मुंह के कैंसर को रोका जा सकता है। उन्होंने प्राध्यापकों तथा छात्र–छात्राओं को मुख गुहा के पूर्व–घातक विकार ल्यूकोप्लाकिया, ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस, एरिथ्रोप्लाकिया तथा ओरल लाइकेन प्लानस आदि पर भी विस्तार से जानकारी दी।

दूसरी अतिथि वक्ता डॉ. निमिता राघव जोकि केडी डेंटल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में ओरल मेडिसिन और रेडियोलॉजी विभाग की प्रोफेसर और इनसाइट डेंटल इमेजिंग सेंटर की प्रबंध निदेशक हैं, ने मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी में सीबीसीटी द्वारा सटीक इमेजिंग का अनावरण विषय पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने केडी डेंटल कॉलेज के स्नातक, इंटर्न तथा स्नातकोत्तर छात्र–छात्राओं को बताया कि रेडियोलॉजी चिकित्सा का वह क्षेत्र है जो मानव शरीर को प्रभावित करने वाली स्थितियों की पहचान और उपचार के लिए इमेजिंग तकनीक का उपयोग करता है। अतिथि व्याख्यान के बाद ओरल मेडिसिन और रेडियोलॉजी विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्नातक छात्र–छात्राओं ने अपना बौद्धिक कौशल दिखाया।

ओरल मेडिसिन एण्ड रेडियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. विनय मोहन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्र–छात्राओं को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति से अवगत और अपडेट रहने में मदद करते हैं।

सीडीई संयोजक डॉ. सिद्धार्थ सिसोदिया के मार्गदर्शन और सीडीई सदस्य डॉ. अनुज गौर के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का सफल आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। मां सरस्वती अस्पताल जयसिंहपुरा में आज डॉ. रघुनंदन प्रसाद मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट मुंबई के तत्वावधान में एक निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में रोगियों ने भाग लिया और विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श का लाभ प्राप्त किया।

शिविर में हड्डियों की कमजोरी, गठिया, नसों की कमजोरी, शुगर, बीपी, यूरिक एसिड तथा आरए फैक्टर सहित कई महत्वपूर्ण जांच निःशुल्क की गईं। विशेषज्ञ चिकित्सकों में डॉ. अंकित अग्रवाल (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ. विनीता गुप्ता (दंत रोग विशेषज्ञ), डॉ. शताक्षी कौशिक (सामान्य रोग विशेषज्ञ), डॉ. साधव मल्होत्रा एवं डॉ. सुप्रिया खंडेलवाल (फिजियोथैरेपिस्ट)

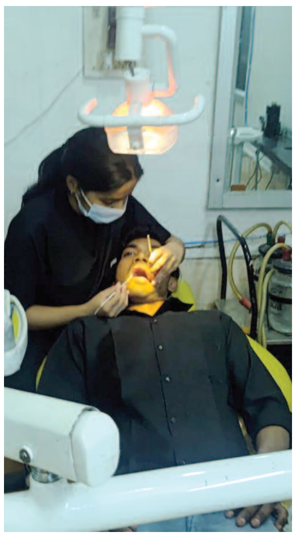

ने लगभग 100 मरीजों को परामर्श प्रदान किया।

सही बॉडी पॉश्चर से पाएं स्वस्थ जीवनशैली और राहत

यूनिक समय, मथुरा। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में लंबे समय तक एक ही जगह बैठकर काम करना आम बात हो गई है। खासतौर पर मोबाइल और लैपटॉप के अधिक उपयोग ने शरीर की प्राकृतिक स्थिति को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। लगातार झुककर बैठने या गलत तरीके से काम करने के कारण गर्दन, पीठ और कमर में अकड़न, दर्द और बॉडी पॉश्चर बिगड़ने की समस्या तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, शारीरिक निष्क्रियता और गलत बैठने की आदतें मांसपेशियों में जकड़न और सूजन का कारण बनती हैं।

योग और आयुर्वेद इस समस्या से राहत पाने के प्रभावी उपाय माने जाते हैं। नियमित रूप से ताड़ासन, भुजंगासन और वृक्षासन जैसे योगासन करने से रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। इसके साथ ही प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे अभ्यास शरीर में ऑक्सीजन के प्रवाह को बढ़ाते हैं, जिससे ऊर्जा स्तर में सुधार आता है और मानसिक एकाग्रता भी बढ़ती है। आयुर्वेदिक उपायों की बात करें तो कुछ पारंपरिक नुस्खे शरीर के संतुलन को बनाए रखने में सहायक माने जाते हैं। गिलोय पाउडर, रसराज रस, वसंत कुसमाकर, मोती पिष्टी, रजत भस्म और एकांगवीर रस जैसे घटकों को मिलाकर तैयार किया गया मिश्रण नियमित सेवन से शरीर की कमजोरी और असंतुलन को दूर करने में मदद कर सकता है। हालांकि, ऐसे किसी भी आयुर्वेदिक उपाय को अपनाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है। खानपान भी शरीर की स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अनियमित भोजन और गलत खानपान से पेट संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जो शरीर की ऊर्जा को प्रभावित करती हैं। इसके लिए त्रिफला चूर्ण, भुनी अदरक और मेथी पानी का सेवन लाभदायक माना जाता है। साथ ही हरी सब्जियां, आंवला-अलोवेरा का जूस और भिगोए हुए अंजीर-मुनक्का शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हैं। स्वस्थ रहने के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि भी जरूरी है। पैदल चलना, हल्का व्यायाम और स्ट्रेचिंग को दिनचर्या में शामिल करने से शरीर सक्रिय बना रहता है और मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। सही बॉडी पॉश्चर न केवल दर्द से राहत दिलाता है, बल्कि लंबी उम्र और बेहतर जीवनशैली की कुंजी भी है।

बेल के शरबत को बनाने के पांच बेस्ट अलग-अलग तरीके

स्वाद के साथ मिलेगी अच्छी सेहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में बेल का शरबत एक परंपरागत और सेहतमंद विकल्प है, जो न केवल शरीर को ठंडक पहुंचाता है, बल्कि लू से भी बचाव करता है। बेल न्यूट्रिएंट्स से भरपूर फल है, जिसमें विटामिन सी, फाइबर, और पाचन को बेहतर बनाने वाले तत्व पाए जाते हैं। ये न केवल इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक होता है, बल्कि त्वचा के लिए भी लाभकारी है।

बाजार में बिकने वाला बेल शरबत अक्सर स्वच्छता के मानकों पर खरा नहीं उतरता, इसलिए घर पर तैयार किया गया बेल शरबत ज्यादा फायदेमंद और सुरक्षित माना जाता है। यहां हम आपको बेल से बनने वाले पांच अलग-अलग प्रकार के रिफ्रेशिंग ड्रिंक्स की जानकारी दे रहे हैं, जो गर्मियों में न केवल राहत देंगे बल्कि स्वाद से भी भरपूर रहेंगे।

बेल का पारंपरिक शरबत: बेल का गूदा निकालकर उसमें से बीज और रेशे अलग करें। इसे पानी के साथ मसलकर गाढ़ा घोल बनाएं और छान लें। इसमें गुड़, भुना जीरा, काला नमक और बर्फ मिलाकर ठंडा-ठंडा परोसें।

बेल शेक: बेल पल्प को दूध और चीनी के साथ ब्लेंड करें जब तक वह स्मूद न हो जाए। ऊपर से आइसक्रीम और सूखे मेवे डालकर इसे और स्वादिष्ट बनाया जा सकता है।

बेल मोइतो: बेल के गूदे को नारियल पानी में मिलाकर ब्लेंड करें और छान लें। गिलास में पुदीना, नींबू, काला नमक और काली मिर्च मिलाकर इसे बेल ड्रिंक के साथ सर्व करें।

बेल लस्सी: बेल पल्प को ताजे दही और चीनी के साथ मिक्स करें। इसमें इलायची पाउडर और कटे हुए ड्राई फ्रूट्स मिलाकर परोसें। यह गर्मियों के लिए एक पौष्टिक विकल्प है।

लाइट बेल शरबत: बेल के गूदे को पानी में भिगोकर ब्लेंड करें और छान लें। इसमें मिश्री, काला नमक और भुना जीरा पाउडर मिलाएं। यह हल्का और पचने में आसान ड्रिंक है। इन बेल ड्रिंक्स को आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार तैयार कर सकते हैं। गर्मी के मौसम में ये ड्रिंक्स आपके शरीर को ठंडक तो देंगे ही, साथ ही आपको एनर्जी से भी भरपूर रखेंगे।

गर्मी की शॉपिंग में इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा कंफर्ट और स्टाइल दोनों

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में फैशन के साथ कंफर्ट बनाए रखना जरूरी होता है। तेज धूप, उमस और पसीने के कारण अगर सही कपड़े, फुटवियर और एक्सेसरीज़ न हों, तो परेशानी हो सकती है। ऐसे में गर्मी के मौसम के लिए शॉपिंग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें जिससे आपका लुक भी स्टाइलिश बने और आपको राहत भी मिले।

हल्के कपड़े चुनें : गर्मियों के लिए सूती, लिनन और रेयॉन जैसे फैब्रिक सबसे बेहतर होते हैं। ये त्वचा को ठंडक देते हैं और पसीना भी जल्दी सोखते हैं। मैक्सी ड्रेस, कुर्तियां और ढीले टॉप इन फैब्रिक्स में आरामदायक रहते हैं।

हल्के रंगों का चयन करें : गहरे रंग गर्मी सोखते हैं, जबकि सफेद, बेबी पिंक, पेस्टल शेड्स जैसे हल्के रंग गर्मी से राहत देते हैं और स्टाइलिश भी दिखते हैं।

बॉडी टाइप के अनुसार कपड़े चुनें : कपड़ों का चयन करते समय अपने शरीर के अनुसार आउटफिट चुनें। इससे पहनावा ज्यादा आकर्षक लगेगा।

सन प्रोटेक्शन ज़रूरी है : सनस्क्रीन, गॉगल्स, हैट या कैप साथ जरूर रखें ताकि यूवी किरणों से त्वचा सुरक्षित रहे।

आरामदायक फुटवियर लें : बंद जूतों के बजाय सैंडल, फ्लैट्स या चप्पल पहनें जो पसीने और गर्मी से राहत दें।

सही बैग और पानी की बोतल साथ रखें : डिहाइड्रेशन से बचने के लिए हमेशा पानी की बोतल साथ रखें और ऐसा बैग चुनें जो हल्का और सुविधाजनक हो। स्मार्ट शॉपिंग से गर्मियां रहेंगी कूल और स्टाइलिश दोनों।

जून में घूम सकते हैं राजस्थान की ये जगह, सुहावने मौसम का मिलेगा मजा

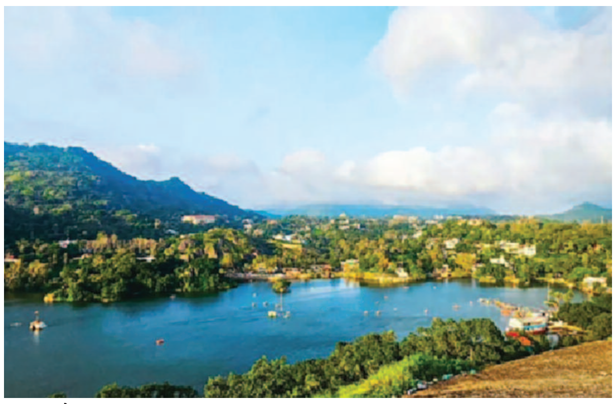

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों की छुट्टियां पड़ गई हैं। अब अगर आप भी अपने बच्चों के साथ कहीं फैमिली ट्रिप का प्लान बना रहे हैं जो राजस्थान को अपनी लिस्ट में शामिल कर सकते हैं। जी हां, जून के महीने में राजस्थान की एक ऐसी जगह है जहां आप सुहवाने मौसम का मजा ले सकते हैं और नेचर के साथ ही वाइल्ड लाइफ को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कौन सी है ये जगह।

गर्मियां की छुट्टियां पड़ गई हैं। ऐसे में अब पेरेंट्स अपने बच्चों संग कहीं बाहर घूमने का प्लान बनाते हैं।

झुलसती गर्मी से बचने के लिए अक्सर लोग फैमिली संग ट्रिप करने के लिए किसी ठंडी जगह का प्लान करते हैं। अगर आप भी गर्मी से राहत पाना चाहते हैं लेकिन शिमला , मनाली जैसे हिल स्टेशन से हटकर कुछ एक्सप्लोर करना चाहते हैं तो हम आपके लिए एक बेहतरीन जगह लेकर आए हैं और वो है राजस्थान का माउंट आबू। जी हां, वैसे तो राजस्थान को अक्सर रेगिस्तान, गर्मी और किलों के लिए जाना जाता है, लेकिन माउंट आबू इस राज्य की खूबसूरत और ठंडी जगह है।

अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थित माउंट आबू अपनी हरी-भरी वादियों, शांत झीलों और ठंडे मौसम के कारण राजस्थान की हॉट क्लाइमेट से बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस देती है। यहां का मौसम जून में भी सुहावना बना रहता है, जो इसे गर्मियों में घूमने के लिए परफेक्ट बनाता है।

आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि जून के महीने में माउंट आबू क्यों घूमना चाहिए, वहां क्या-क्या देखने लायक है, और कैसे आप अपनी गर्मियों की छुट्टियों को एक यादगार यात्रा में बदल सकते हैं।

माउंट आबू राजस्थान का इकलौता हिल स्टेशन है, जो समुद्र तल से करीब 1,220 मीटर की उंचाई पर स्थित है। जून में जब बाकी राजस्थान तप रहा होता है, तब माउंट आबू का तापमान करीब 23 डिग्री से 30 डिग्री के बीच बना रहता है। यहां की ठंडी हवाएं, हल्की-फुल्की बारिश और हरियाली गर्मी से राहत देती हैं। यही वजह है कि ये जगह गर्मियों में परिवारों और कपल्स के बीच काफी पॉपुलर है।

दिलवाड़ा मंदिर के करें दर्शन: माउंट आबू का सबसे प्रमुख आकर्षण है दिलवाड़ा मंदिर। ये प्राचीन जैन मंदिर संगमरमर की नक्काशी और खूबसूरत कलाकारी के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हैं। इन मंदिरों की दीवारों और छतों पर की गई बारीक नक्काशी देखने लायक है।

नक्की झील : माउंट आबू की नक्की झील एक बेहद खूबसूरत झील है जहां आप बोटिंग का आनंद ले सकते हैं। झील के किनारे टहलना, सनसेट देखना और पास के कैफे में बैठकर चाय की चुस्की लेना एक सुकून भरा अनुभव देता है।

हनीमून पॉइंट और सनसेट पॉइंट: इन दोनों व्यूपॉइंट्स से अरावली की पहाड़ियों का नजारा बेहद खूबसूरत लगता है। खासकर सनसेट पॉइंट पर जून की शामों में सूरज को पहाड़ों के पीछे ढलते देखना एक यादगार पल होता है।

गुरु शिखर : गुरु शिखर अरावली की सबसे ऊंची चोटी है और यहां से माउंट आबू और आसपास के इलाकों का नजारा काफी अट्रैक्टिव लगता है। यहां एक मंदिर भी स्थित है जो आध्यात्मिकता और शांति का अनुभव कराता है।

वाइल्ड लाइफ और नेचर को करें एक्सप्लोर : माउंट आबू वाइल्डलाइफ सैक्चुअरी में कई रेयर प्लांट और जीव-जंतु देखने को मिलते हैं। यहां ट्रेकिंग और जंगल सफारी का भी आनंद लिया जा सकता है।

कैसे पहुंचे माउंट आबू: अगर आप ट्रेन से जा रहे हैं तो माउंट आबू का नियरेस्ट रेलवे स्टेशन 'आबू रोड' है, जो लगभग 28 किलोमीटर दूर है। वहीं फ्लाइट से जाने के लिए आपको उयदयपुर एयरपोर्ट उतरना पड़ेगा। इसके अलावा बाए रोड सउदयपुर, अहमदाबाद और जयपुर जैसे शहरों से बस या टैक्सी से आसानी से पहुंचा जा सकता है।

सुविचार

"किसी के मुस्कुराहट का कारण बनो।"

कल का पंचांग

तिथि	दशमी 06:28-06:07 तक		पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	मघा 08:04-08:27 तक		माह	बैशाख
सूर्योदय	5:48 AM		चन्द्रोदय	02:04 PM
सूर्यास्त	6:45 PM		चंद्रास्त	03:04 AM
सूर्य राशि	मेष राशि		चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त	11:51AM -12:42 PM		ब्रह्म मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	05:08 PM: 06:45 PM		वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

दतिया में राजनीतिक सत्ता की देवी

राजसत्ता की चाह रखने वाले करते हैं इस सिद्ध पीठ के दर्शन

नेहरू से लेकर इंदिरा, वाजपेयी, अमित शाह करवा चुके हैं गुप्त पूजा

यूनिक समय, मथुरा। मध्यप्रदेश के दतिया जिले में स्थित श्री पीताम्बरा पीठ न केवल एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, बल्कि राजनीति से जुड़े लोगों के लिए एक रहस्यमयी आस्था का केंद्र भी रहा है। मां बगलामुखी को समर्पित यह सिद्ध पीठ देवी शक्ति की 10 महाविद्याओं में से एक के रूप में प्रतिष्ठित है। माना जाता है कि देवी पीतांबरा शत्रुओं का नाश करने वाली और राजसत्ता प्रदान करने वाली देवी हैं, जिनकी पूजा से मनचाही सफलता प्राप्त की जा सकती है।

यहां दर्शन और गुप्त पूजा करने वालों में देश के कई नामचीन नेता शामिल रहे हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी, राहुल गांधी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, वसुंधरा राजे सिंधिया, और राजनाथ सिंह तक - सभी इस पीठ पर आकर पूजा-अर्चना कर चुके हैं।

अक्सर यह पूजा गुप्त रूप से की जाती है, जिससे शक्ति-साधना में गोपनीयता बनी रहे। श्री पीताम्बरा पीठ की स्थापना 1929 में स्वामीजी महाराज द्वारा की गई थी। वे एक उच्च कोटि के साधक और विद्वान थे, जिन्होंने दतिया में आकर गहन तपस्या की और फिर इस स्थान को एक सिद्ध साधना केंद्र के रूप में विकसित किया। यहां मां बगलामुखी के अलावा धूमावती देवी, हनुमानजी, काल भैरव, और परशुराम की भी प्रतिमाएं स्थापित हैं।

पीठ की वास्तुकला भी दर्शनीय है, जिसमें राजपूत और मराठा शैली का सुंदर मिश्रण देखने को मिलता है। यहां स्थित संस्कृत पुस्तकालय में साधक गुप्त मंत्रों, तंत्र शास्त्रों और महाविद्या साधना की पुस्तकों का अध्ययन करते हैं। देवी धूमावती का मंदिर भी इस परिसर में विशेष महत्व रखता है। वे मोक्ष की देवी मानी जाती हैं और भारत-चीन युद्ध के समय स्वामीजी द्वारा विशेष प्रयोजन से यह मंदिर स्थापित किया गया था। राजनीति में सफलता की चाह रखने वाले नेता इस सिद्ध पीठ की ओर आकर्षित होते हैं। यह आस्था का नहीं, बल्कि शक्ति और सत्ता की साधना का स्थान बन चुका है। जनविश्वास है कि जो भी सच्चे मन से यहां मां पीतांबरा की आराधना करता है, उसकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

बुधवार के चमत्कारी उपाय से बुध ग्रह को करें मजबूत

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार का दिन ग्रहों के राजकुमार बुध देव को समर्पित होता है। ज्योतिष शास्त्र में बुध को बुद्धि, वाणी और व्यापार का कारक माना गया है। यदि कुंडली में बुध कमजोर हो तो व्यापार में हानि, वाणी दोष और निर्णय लेने की क्षमता में कमी आ सकती है। ऐसे में बुधवार को कुछ विशेष उपाय करके आप बुध को प्रसन्न कर सकते हैं और जीवन में तरक्की पा सकते हैं।

बुध मंत्र का जाप करें: "ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः" मंत्र का 108 बार जाप करें। इससे वाणी में मधुरता आती है और बिजनेस में लाभ होता है।

गाय को हरा चारा खिलाएं: बुधवार को गाय को विशेष रूप से हरी मूंग या हरा धनिया खिलाने से बुध दोष शांत होता है और आर्थिक स्थिति में सुधार आता है।

हरे वस्त्र पहनें: इस दिन हरे रंग के कपड़े या रूमाल का उपयोग करना शुभ होता है। हरा रंग बुध का प्रिय है और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है।

दान करें: छोटे बच्चों को हरे फल, हरे कपड़े या स्टेशनरी का दान करें। यह उपाय बुध के अशुभ प्रभाव को कम करता है।

तुलसी को जल चढ़ाएं: सुबह तुलसी को जल चढ़ाते समय "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का जाप करें। इससे मानसिक शांति मिलती है।

गणेश पूजा करें: बुधवार को गणपति को दूर्वा अर्पित करें और "ॐ गं गणपतये नमः" मंत्र का जाप करें। गणेश पूजा से बुध दोष समाप्त होता है।

विशेष दान करें: हरी मूंग की दाल, कांसे के बर्तन या हरे कपड़े ब्राह्मण या गरीब को दान करें। साथ ही पूजा स्थल पर बुध यंत्र की स्थापना करें।

विशेष सुझावः बुध को और अधिक बलवान बनाने के लिए पन्ना रत्न या बुध यंत्र धारण करें। इससे बुध की नकारात्मकता दूर होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशि: मानसिक शांति बनी रहेगी और पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां चिंता बढ़ा सकती हैं, लेकिन आत्मविश्वास बनाए रखें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और मित्रों का सहयोग मिलेगा।

वृष राशि: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, लेकिन धैर्य की कमी परेशानी खड़ी कर सकती है। परिवार में शांति बनाए रखने की जरूरत है। नौकरी और व्यवसाय में चुनौतियां आ सकती हैं, फिर भी धन लाभ के योग बन रहे हैं। विवाद से बचकर रहें।

मिथुन राशि: मन प्रसन्न रहेगा और आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी और व्यवसाय में विस्तार के संकेत हैं। आय बढ़ सकती है, लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और मानसिक संतुलन बनाए रखें।

कर्क राशि: आत्मविश्वास बढ़ेगा और करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। परिवार से सहयोग मिलेगा और धन लाभ के योग बन रहे हैं। स्वभाव में थोड़ी चिड़चिड़ाहट रह सकती है।

सिंह राशि: मन प्रसन्न रहेगा और वाणी का प्रभाव बढ़ेगा। कला और संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं और परिवार का सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कन्या राशि: आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और कार्यक्षेत्र में बदलाव के संकेत हैं। मेहनत अधिक करनी पड़ेगी। पारिवारिक समस्याएं थोड़ी परेशान कर सकती हैं, लेकिन अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। धन लाभ के अवसर बनेंगे।

तुला राशि: मन शांत और प्रसन्न रहेगा। मित्रों और परिवार का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय में व्यस्तता बढ़ेगी और नए अवसर मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और संबंधों में मधुरता आएगी।

वृश्चिक राशि: आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। खर्चों में वृद्धि हो सकती है, इसलिए सावधानी रखें। स्वास्थ्य का ध्यान जरूरी है।

धनु राशि: मन शांत रहेगा और शिक्षा व करियर में सफलता के संकेत हैं। मित्रों के सहयोग से नए अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। धैर्य बनाए रखें और कार्यों पर ध्यान दें।

मकर राशि: आत्मविश्वास रहेगा, लेकिन मन में अस्थिरता भी रह सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय में लाभ के अवसर हैं और यात्रा के योग बन रहे हैं। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कुंभ राशि: मन में असंतोष रह सकता है, लेकिन मित्रों का सहयोग मिलेगा। नौकरी और व्यवसाय में नए अवसर मिल सकते हैं। विवादों से दूर रहें और बातचीत में संयम रखें।

मीन राशि: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा और कारोबार में विस्तार के योग हैं। आय बढ़ सकती है और विदेश यात्रा के अवसर भी बन सकते हैं। परिवार में तनाव संभव है, इसलिए संतुलन बनाए रखें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

महिलाएं सूर्योदय से पहले कर लें ये उपाय, हमेशा खुशहाल रहेगी जिंदगी!

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदू धर्म में ब्रह्म मुहूर्त, यानी सूर्योदय से पूर्व का समय, अत्यंत शुभ और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि इस समय की गई साधना और सकारात्मक क्रियाएं व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि ला सकती हैं। खासतौर पर महिलाओं के लिए यह समय मानसिक और पारिवारिक संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है।

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सबसे पहले ईश्वर का स्मरण करना और प्रार्थना करना मन को शांति और संतुलन प्रदान करता है। यह दिन की सकारात्मक शुरुआत करता है और मानसिक रूप से स्थिरता देता है। इसी समय ध्यान और योग का अभ्यास करना तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और मानसिक स्फूर्ति बनाए रखने के लिए अत्यंत लाभकारी माना गया है।

इस समय किसी भी देवी-देवता के मंत्रों का जाप, जैसे "ॐ सूर्याय नमः" या गायत्री मंत्र, बहुत फलदायी होता है। इससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति के भीतर आत्मबल बढ़ता है। परिवार और सभी के कल्याण के लिए प्रार्थना करना न केवल भावनात्मक संतुलन देता है, बल्कि घर में सामंजस्य और सुख-शांति को प्रोत्साहित करता है।

सूर्योदय से पहले घर की सफाई करना विशेष रूप से मुख्य द्वार को स्वच्छ रखना अत्यंत शुभ माना गया है। यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और नकारात्मकता को दूर करता है। यदि घर में तुलसी का पौधा है, तो उसे जल अर्पित करना और पूजा करना देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने का एक माध्यम माना जाता है। मुख्य द्वार पर रंगोली बनाना भी घर में शुभता और समृद्धि के स्वागत का प्रतीक होता है। सूरज की पहली किरणों का दर्शन यानी उषा दर्शन मन को प्रसन्न करता है और नई ऊर्जा प्रदान करता है।

सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीना शरीर को डिटॉक्स करता है और चयापचय को सक्रिय बनाता है। दिन की शुरुआत सकारात्मक विचारों और अपने जीवन के प्रति कृतज्ञता के भाव के साथ करने से पूरे दिन का प्रभाव अच्छा रहता है।

यह सभी उपाय पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं, और इन्हें अपनाना व्यक्तिगत श्रद्धा व विश्वास पर निर्भर करता है। लेकिन यदि इन्हें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया जाए, तो जीवन में निश्चित ही सकारात्मक परिवर्तन संभव हैं।

सम्पादकीय

नेपाल में सियासी तूफान और जनता का गुस्सा

नेपाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजरती दिख रही है। हाल ही में सत्ता में आए बालेन शाह के सामने अब वही जनता खड़ी नजर आ रही है, जिसने उन्हें उम्मीदों के साथ नेतृत्व सौंपा था। एक महीने के भीतर ही विरोध प्रदर्शनों का तेज होना इस बात का संकेत है कि फैसलों और जनभावनाओं के बीच कहीं न कहीं बड़ा अंतर उभर आया है। विरोध की सबसे बड़ी वजह छात्र संगठनों को भंग करने का निर्णय माना जा रहा है। नेपाल जैसे देश में छात्र राजनीति केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक जागरूकता का अहम आधार रही है। ऐसे में इस निर्णय ने युवाओं में असंतोष पैदा कर दिया है। यही कारण है कि सड़कों पर उतरकर छात्र और युवा वर्ग सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे हैं। इसके अलावा, भारत-नेपाल सीमा पर व्यापार को लेकर लिए गए सख्त फैसलों ने भी आम लोगों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले नागरिकों के लिए दैनिक जीवन में छोटे स्तर का व्यापार और खरीदारी बेहद महत्वपूर्ण होती है। 100 से अधिक के सामान पर कड़े कस्टम नियम लागू करने के फैसले ने स्थानीय अर्थव्यवस्था और लोगों की दिनचर्या दोनों को प्रभावित किया है, जिससे नाराजगी और बढ़ी है। राजनीतिक संकट को और गहरा करने का काम भ्रष्टाचार के आरोपों ने किया है। गृह मंत्री सुदन गुरुंग पर मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध संपत्ति जैसे गंभीर आरोप लगने से सरकार की साख पर सवाल उठने लगे हैं। जब सत्ता के शीर्ष स्तर पर पारदर्शिता को लेकर संदेह पैदा होता है, तो जनता का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। नेपाल की राजधानी काठमांडू से लेकर अन्य शहरों तक फैलते विरोध प्रदर्शन यह दिखाते हैं कि यह केवल एक वर्ग की नाराजगी नहीं, बल्कि व्यापक असंतोष का संकेत है। सड़क से लेकर संसद तक विरोध की आवाज गूंज रही है, जो किसी भी सरकार के लिए चेतावनी मानी जाती है। हालांकि, इसे सीधे "तख्तापलट" की स्थिति कहना अभी जल्दबाजी होगी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध और आंदोलन सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं। लेकिन यह जरूर है कि अगर सरकार ने समय रहते संवाद और सुधार की दिशा में कदम नहीं उठाए, तो यह असंतोष बड़े राजनीतिक संकट का रूप ले सकता है नेपाल इस समय एक अहम मोड़ पर खड़ा है, जहां नेतृत्व को संतुलन, पारदर्शिता और जनसंवाद के जरिए विश्वास बहाल करना होगा। वरना जिस जनसमर्थन के सहारे सत्ता मिली थी, वही असंतोष सत्ता की सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है।

पवन गौतम
संपादक

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

भारत की महानता, वैश्विक विमर्श और बदलती छवि

बोध प्रकाश सगुणी

आज वैश्विक राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के परिदृश्य में देशों की छवि केवल उनकी आर्थिक शक्ति या सैन्य क्षमता से नहीं, बल्कि उनके सांस्कृतिक आत्मविश्वास, कूटनीतिक संतुलन और वैश्विक संवाद में उनकी भूमिका से भी तय होती है। भारत, जो दुनिया की सबसे प्राचीन और सतत जीवित सभ्यताओं में से एक है, इस समय उसी बहस के केंद्र में है-जहां एक ओर उसकी विकास यात्रा की सराहना होती है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक मंचों पर कई तरह की आलोचनात्मक टिप्पणियां और राजनीतिक बयानबाजी भी देखने को मिलती है। हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कई बार ऐसे प्रसंग सामने आए हैं जब विभिन्न वैश्विक नेताओं के बयानों को लेकर विवाद और चर्चाएं तेज हुई हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कुछ सार्वजनिक बयानों और सोशल मीडिया टिप्पणियों को भी इसी संदर्भ में देखा जाता है, जिनमें भारत सहित कई देशों की व्यापार नीति, आव्रजन व्यवस्था और आर्थिक ढांचे पर सवाल उठाए गए। वहीं, कुछ अवसरों पर उनके द्वारा भारत के साथ संबंधों को "मजबूत" और "मैत्रीपूर्ण" भी बताया गया। यह द्विपक्षीयता वैश्विक कूटनीति में असामान्य नहीं है, लेकिन इससे यह स्पष्ट होता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंध अक्सर स्थायी भावनाओं से नहीं बल्कि रणनीतिक हितों से संचालित होते हैं। भारत आज एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति है। आईटी, सेवा क्षेत्र, अंतरिक्ष अनुसंधान, डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप इकोसिस्टम में उसकी भूमिका निरंतर बढ़ रही है। इसी के साथ वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भारत की नीतियों को लेकर कभी-कभी विकसित देशों द्वारा यह तर्क भी दिया जाता है कि यहां टैरिफ संरचना अपेक्षाकृत अधिक है या बाजार संरचना जटिल है। हालांकि भारत का दृष्टिकोण हमेशा यह रहा है कि उसकी नीतियां घरेलू उद्योगों, कृषि क्षेत्र और छोटे व्यवसायों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यह वही संतुलन है जिसे हर विकासशील अर्थव्यवस्था अपनाती है-वैश्विक प्रतिस्पर्धा और घरेलू संरक्षण के बीच। आज की कूटनीति पारंपरिक शिष्टाचार और औपचारिक समझौतों तक सीमित नहीं रह गई है। सोशल मीडिया, सार्वजनिक बयान और डिजिटल प्लेटफॉर्म अब वैश्विक संबंधों को प्रभावित करने लगे हैं। किसी भी देश के नेता द्वारा दिया गया एक बयान तुरंत वैश्विक मीडिया में चर्चा का विषय बन जाता है। इस संदर्भ में यह समझना महत्वपूर्ण है कि किसी भी राष्ट्र के नेता के बयान को केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत और अमेरिका जैसे देशों के बीच संबंध हमेशा बहुआयामी रहे हैं-जहां सहयोग भी है और मतभेद भी। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सभ्यता की निरंतरता है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैदिक काल, मौर्य और गुप्त साम्राज्य से लेकर आधुनिक लोकतांत्रिक भारत तक, यह भूमि ज्ञान, दर्शन, विज्ञान और संस्कृति का केंद्र रही है। भारत ने दुनिया को योग, आयुर्वेद, शून्य की अवधारणा, खगोल विज्ञान की प्रारंभिक समझ और साहित्य की समृद्ध परंपरा दी। यही कारण है कि भारत को केवल एक देश के रूप में नहीं बल्कि एक "सभ्यता राज्य" के रूप में भी देखा जाता है। इसी तरह चीन भी एक प्राचीन सभ्यता है, जिसने रेशम, कागज, बारूद और छपाई जैसी कई महत्वपूर्ण खोजें विश्व को दीं। भारत और चीन दोनों ने इतिहास में वैश्विक व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज वैश्विक व्यवस्था बहुध्रुवीय हो रही है। अमेरिका, चीन, यूरोप, रूस और भारत-सभी अलग-अलग स्तरों पर वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर रहे हैं। भारत इस व्यवस्था में "संतुलनकारी शक्ति" के रूप में उभर रहा है। भारत की विदेश नीति "रणनीतिक स्वायत्तता" पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि वह किसी एक ध्रुव पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहता, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेता है। यही कारण है कि भारत कई वैश्विक मंचों पर स्वतंत्र और मजबूत आवाज के रूप में देखा जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हालांकि, गरीबी, असमानता, बेरोजगारी और ग्रामीण विकास जैसी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक आलोचना अक्सर इन चुनौतियों को उजागर करती है, जबकि भारत का प्रयास इन्हीं समस्याओं को संरचनात्मक सुधारों और नीतिगत बदलावों के माध्यम से हल करने का है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियान इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं।

आज के समय में मीडिया और सोशल मीडिया किसी भी देश की छवि को तेजी से प्रभावित कर सकते हैं। कभी-कभी किसी एक बयान या टिप्पणी को व्यापक संदर्भ से अलग करके प्रस्तुत किया जाता है, जिससे गलतफहमियां पैदा होती हैं। इसलिए जरूरी है कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय बयान या विवाद को संपूर्ण संदर्भ में समझा जाए, न कि केवल भावनात्मक या प्रचारात्मक दृष्टिकोण से। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू उसका आत्मविश्वास है। भारत न तो किसी बाहरी स्वीकृति पर अपनी पहचान तय करता है और न ही किसी आलोचना से अपनी दिशा बदलता है।

यह देश अपनी विविधता, लोकतंत्र और सांस्कृतिक गहराई के कारण दुनिया में विशिष्ट स्थान रखता है। यहां विभिन्न धर्म, भाषाएं और परंपराएं एक साथ सह-अस्तित्व में हैं, जो इसे वैश्विक स्तर पर अद्वितीय बनाती हैं। "भारत नरक नहीं, स्वर्ग है" जैसी अभिव्यक्तियां केवल भावनात्मक कथन नहीं, बल्कि उस गहरे आत्मविश्वास का प्रतीक हैं जो भारतीय समाज अपनी सभ्यता से प्राप्त करता है। लेकिन साथ ही यह भी समझना आवश्यक है कि आधुनिक विश्व में कोई भी देश पूर्ण नहीं होता। हर राष्ट्र के सामने अपनी चुनौतियां होती हैं-चाहे वह अमेरिका हो, चीन हो या भारत। भारत की वास्तविक शक्ति उसकी आलोचनाओं को स्वीकार करने और उन्हें सुधार में बदलने की क्षमता में है। यही गुण उसे केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक स्थायी वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर करता है। अंततः, भारत का मूल्यांकन केवल तुलना या विवादों से नहीं, बल्कि उसकी ऐतिहासिक गहराई, वर्तमान प्रयासों और भविष्य की संभावनाओं के समग्र दृष्टिकोण से होना चाहिए।

विचार पिण्डो

छात्रों की आत्महत्या: सपनों का दबाव या शिक्षा व्यवस्था की विफलता?

राम प्रकाश शर्मा

भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ती छात्र आत्महत्या की घटनाएं केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं हैं, बल्कि यह पूरे समाज, परिवार और शिक्षा प्रणाली के लिए एक गंभीर चेतावनी हैं। हाल ही में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018 से 2023 के बीच देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में दर्जनों छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें आईआईटी, एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं। यह तथ्य इस धारणा को चुनौती देता है कि आत्महत्या केवल कमजोर या असफल छात्रों की समस्या है। वास्तविकता यह है कि कई बार सबसे प्रतिभाशाली और मेहनती छात्र भी मानसिक दबाव के आगे टूट जाते हैं।

कुरुक्षेत्र जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान में कुछ ही महीनों के भीतर छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं यह दिखाती हैं कि समस्या केवल किसी एक संस्थान की नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की है। यह प्रश्न और भी गंभीर हो जाता है कि आखिर वे कौन-सी परिस्थितियाँ हैं जो एक युवा, जिसने कठिन प्रतिस्पर्धा पार कर इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की, उसे जीवन समाप्त करने के लिए मजबूर कर देती हैं। स्पष्ट है कि यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि गहरे सामाजिक और संस्थागत संकट का परिणाम है। आज का युवा लगातार बढ़ते शैक्षणिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रहा है। विशेषकर कोटा, दिल्ली, हैदराबाद जैसे शिक्षा केंद्रों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र अत्यधिक मानसिक तनाव में रहते हैं। हर वर्ष वहाँ होने वाली आत्महत्याएं यह संकेत देती हैं कि सफलता की परिभाषा को हमने अत्यधिक सीमित और कठोर बना दिया है। समाज ने यह मान लिया है कि केवल चयन या नौकरी ही जीवन का अंतिम लक्ष्य है, जबकि असफलता को एक अंत की तरह देखा जाने लगा है। इस समस्या की जड़ केवल शिक्षा संस्थानों में नहीं, बल्कि परिवार और समाज की सोच में भी छिपी है। माता-पिता अक्सर बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का अनजाने में इतना दबाव डाल देते हैं कि बच्चा स्वयं को एक "प्रोजेक्ट" की तरह देखने लगता है। वह अपने सपनों के बजाय परिवार की आकांक्षाओं को पूरा करने में जुट जाता है।

महंगी कोचिंग, कर्ज लेकर की जाने वाली तैयारी और लगातार परिणामों की चिंता-ये सब मिलकर मानसिक तनाव को और बढ़ाते हैं। जब परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं आते, तो युवा यह मान बैठता है कि उसका अस्तित्व ही व्यर्थ है। शिक्षा प्रणाली की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्तमान व्यवस्था अधिकतर रटने और अंकों पर आधारित है, जिसमें जीवन कौशल और मानसिक स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। विद्यार्थियों को यह सिखाया जाता है कि परीक्षा कैसे पास करनी है, लेकिन यह नहीं सिखाया जाता कि असफलता से कैसे निपटना है। वास्तविक जीवन की समस्याओं, भावनात्मक संतुलन और तनाव प्रबंधन पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। परिणामस्वरूप, जब विद्यार्थी वास्तविक जीवन के दबावों का सामना करते हैं, तो वे मानसिक रूप से असहाय महसूस करते हैं। इसके साथ ही, शिक्षक और छात्र के संबंधों में भी बदलाव आया है। पहले शिक्षक केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं थे, बल्कि मार्गदर्शक और संरक्षक की भूमिका निभाते थे। आज कई जगह यह संबंध औपचारिक हो गया है। शिक्षक अक्सर छात्रों के मानसिक संघर्षों को समझने या उनसे संवाद स्थापित करने में असफल रहते हैं। इससे छात्र और अधिक अकेलापन महसूस करते हैं, जो अवसाद की स्थिति को बढ़ा सकता है। यह भी एक विडंबना है कि जिस देश को अहिंसा और संतुलित जीवन मूल्यों के लिए जाना जाता है, वहाँ शिक्षा संस्थानों में मानसिक हिंसा और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह स्थिति केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक चेतना पर प्रश्नचिह्न है। हर आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की असफलता है। राज्य और केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जांच समितियां बनाई जाती हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। समितियां रिपोर्ट दे सकती हैं, परंतु वे खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकतीं। आवश्यकता इस बात की है कि हम समस्या की जड़ तक जाएं और स्थायी समाधान खोजें। केवल प्रतिक्रियात्मक कदमों से यह संकट नहीं रुकेगा। इस दिशा में सबसे पहले शिक्षा की परिभाषा को बदलना आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि एक संतुलित, संवेदनशील और मानसिक रूप से मजबूत व्यक्ति का निर्माण होना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। छात्रों को यह सिखाना आवश्यक है कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने का एक अवसर है। दूसरा महत्वपूर्ण कदम अभिभावकों की सोच में बदलाव है। माता-पिता को यह समझना होगा कि उनका बच्चा उनकी महत्वाकांक्षाओं का साधन नहीं है। उन्हें बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उन्हें अपनी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार आगे बढ़ने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। जब बच्चा सुरक्षित और स्वीकार्य वातावरण में रहेगा, तभी उसका मानसिक विकास सही रूप से हो पाएगा। तीसरा, शैक्षणिक संस्थानों में मजबूत काउंसलिंग व्यवस्था की आवश्यकता है। हर संस्थान में प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता होने चाहिए, जो छात्रों की मानसिक स्थिति पर लगातार नजर रखें। साथ ही, शिक्षकों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे छात्रों में तनाव या अवसाद के शुरुआती संकेतों को पहचान सकें। इसके अतिरिक्त, समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। हमें सफलता और असफलता की संकीर्ण परिभाषा को बदलना होगा। हर व्यक्ति का जीवन मूल्यवान है, चाहे वह किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़े या नहीं। बच्चों को यह संदेश देना आवश्यक है कि जीवन केवल प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति और संतुलन का नाम है। यदि हम समय रहते इस समस्या को गंभीरता से नहीं लेते, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गहरा हो सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षा संस्थान, परिवार और समाज सभी मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाएं। केवल नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि मानसिकता में बदलाव ही इस समस्या का स्थायी समाधान है। हर युवा जीवन अनमोल है। यदि हम उन्हें समझने, सुनने और सहारा देने में सफल होते हैं, तो हम न केवल आत्महत्याओं को रोक सकते हैं, बल्कि एक अधिक संवेदनशील और स्वस्थ समाज का निर्माण भी कर सकते हैं।

बिना हेलमेट खेले, दुनिया को किया प्रभावित

पांच देशों में छाया क्रिकेटर सुनील गावस्कर का नाम

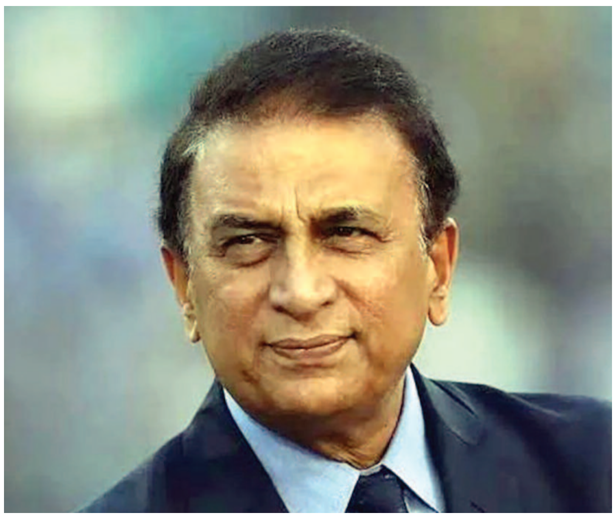

पांच देशों में मिला सम्मान, रचा अनोखा इतिहास

अमेरिका से इंग्लैंड तक गूंजा गावस्कर का नाम

तंजानिया और न्यूज़ीलैंड में भी बढ़ी पहचान

वानखेड़े स्टेडियम में अमर हुआ सुनहरा योगदान

टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन का रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रिकेट इतिहास में कई महान बल्लेबाज हुए, लेकिन कुछ नाम ऐसे होते हैं जो खेल की सीमाओं को पार कर वैश्विक पहचान बन जाते हैं। सुनील गावस्कर उन्हीं चुनिंदा दिग्गजों में शामिल हैं, जिनका सम्मान सिर्फ रिकॉर्ड्स तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दुनिया के कई देशों में उनके नाम पर सड़कें, स्टेडियम और स्टैंड तक बनाए गए हैं। यह उपलब्धि उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग और खास बनाती है।

गावस्कर को "लिटिल मास्टर" के नाम से जाना जाता है। उन्होंने उस दौर में बल्लेबाजी की, जब तेज गेंदबाजों के सामने बिना हेलमेट खेलना बेहद जोखिम भरा होता था। इसके बावजूद उन्होंने अपनी तकनीक, धैर्य और आत्मविश्वास के दम पर दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजों का सामना किया और टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बने।

उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के फ्लोरिडा में एक सड़क का नाम "सुनील गावस्कर वे" रखा गया है। यह ऐसे देश में हुआ, जहां क्रिकेट धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रहा है। वहीं तंजानिया की राजधानी दार-एस-सलाम में "गावस्कर रोड" उनके सम्मान में नामित है, जो उनके वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है।

क्रिकेट की पारंपरिक धरती इंग्लैंड भी इससे अछूता नहीं है। लीसेस्टर में एक क्रिकेट ग्राउंड का नाम गावस्कर के नाम पर रखा गया है। यह इस बात का प्रतीक है कि उन्होंने केवल भारतीय क्रिकेट ही नहीं, बल्कि विश्व क्रिकेट में भी अपनी अलग पहचान बनाई। इसी तरह न्यूजीलैंड में भी उनके नाम को सड़कों और खेल परिसरों से जोड़ा गया है, जहां उनकी बल्लेबाजी आज भी याद की जाती है।

अपने देश भारत में तो गावस्कर का सम्मान और भी खास है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एक स्टैंड उनके नाम पर है, जो उनके योगदान को स्थायी रूप से दर्शाता है। भारतीय क्रिकेट में उनका स्थान केवल एक खिलाड़ी का नहीं, बल्कि एक प्रेरणा का है। सुनील गावस्कर की यह उपलब्धि बताती है कि खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह संस्कृति, सम्मान और पहचान का हिस्सा बन जाता है। उन्होंने अपने प्रदर्शन से यह साबित किया कि प्रतिभा और समर्पण की कोई सीमा नहीं होती। आज उनका नाम सिर्फ रिकॉर्ड बुक में ही नहीं, बल्कि दुनिया के नक्शे पर भी दर्ज है—जो हर भारतीय के लिए गर्व की बात है।

वृंदावन में अभिषेक शर्मा की चप्पल गायब, वीडियो वायरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। वृंदावन में दर्शन के दौरान भारतीय क्रिकेटर अभिषेक शर्मा के साथ एक दिलचस्प घटना सामने आई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, वह अपनी मां के साथ बांके बिहारी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे, जहां मंदिर परिसर के बाहर उनकी चप्पल गायब हो गई।

वीडियो में देखा जा सकता है कि दर्शन के बाद जब अभिषेक बाहर निकले तो उन्हें अपनी चप्पल नहीं मिली। वह इधर-उधर चप्पल तलाशते नजर आए, जबकि आसपास काफी भीड़ मौजूद थी। इसी दौरान एक व्यक्ति ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया और पीछे से कमेंट्री करते हुए स्थिति को बयान किया, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

वीडियो में यह भी दावा किया गया कि भीड़ अधिक होने के कारण चप्पल इधर-उधर हो गई होगी, न कि किसी ने जानबूझकर चोरी की। हालांकि, चप्पल न मिलने पर अभिषेक शर्मा कुछ देर के लिए नाराज भी दिखे। बाद में मंदिर प्रशासन की ओर से उन्हें नई चप्पल उपलब्ध कराई गई, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

हालांकि इस वीडियो की पुष्टि स्वतंत्र रूप से नहीं की जा सकी है कि यह हाल का है या किसी पुराने समय का, लेकिन इससे जुड़ी चर्चाएं लगातार बढ़ रही हैं। मंदिर जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर इस तरह की घटनाएं आम मानी जाती हैं, जहां श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या के चलते सामान इधर-उधर हो जाता है।

दूसरी ओर, इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अभिषेक शर्मा शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अब तक खेले गए मुकाबलों में 300 से अधिक रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया है। हाल ही में उन्होंने 135 रन की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था।

इस घटना ने जहां एक ओर हल्की-फुल्की चर्चा को जन्म दिया, वहीं दूसरी ओर यह भी याद दिलाया कि आम जीवन की छोटी घटनाएं बड़े खिलाड़ियों के साथ भी हो सकती हैं।

अक्षय कुमार की बेटी से साइबर हैरेसमेंट, आरोपी गिरफ्तार

ऑनलाइन गेम के दौरान मांगी गई आपत्तिजनक तस्वीरें

साइबर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

यूनिक समय, मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के परिवार से जुड़ा एक गंभीर साइबर हैरेसमेंट मामला सामने आया है। महाराष्ट्र साइबर विभाग ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब उनकी 13 वर्षीय बेटी ऑनलाइन गेम खेल रही थीं।

बताया जा रहा है कि गेमिंग के दौरान एक अनजान व्यक्ति ने पहले सामान्य बातचीत शुरू की और धीरे-धीरे निजी सवाल पूछने लगा। कुछ समय बाद उसने आपत्तिजनक संदेश भेजते हुए अश्लील तस्वीरों की मांग की। स्थिति को समझते हुए बच्ची ने तुरंत गेम बंद कर दिया और इस बारे में अपनी मां को जानकारी दी। मामले की जानकारी मिलने के बाद परिवार ने साइबर विभाग से संपर्क किया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यशस्वी यादव के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरोपी ने और किन-किन लोगों को निशाना बनाया।

इस घटना का जिक्र अक्षय कुमार पहले भी एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कर चुके हैं, जहां उन्होंने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बच्चों को सतर्क रहना बेहद जरूरी है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत जानकारी अभिभावकों को देनी चाहिए। साइबर विभाग ने इस घटना के बाद स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान तेज कर दिए हैं। छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा, फिशिंग, साइबर बुलिंग और डिजिटल धोखाधड़ी से बचने के तरीके सिखाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ऐसे मामलों में भी वृद्धि हो रही है। ऐसे में अभिभावकों और बच्चों दोनों को सतर्क रहने की जरूरत है। यह घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि डिजिटल दुनिया में सुरक्षा के नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है।

'खलनायक' के सेट पर कट बोलना भूले सुभाष घई

संजय दत ने सह-कलाकार दबाया गला, मच गया था हड़कंप

संजय दत के इम्प्रोवाइजेशन ने डरावना बनाया यादगार पल

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म खलनायक की शूटिंग के दौरान एक ऐसा वाकया हुआ, जिसने पूरे सेट को चौंका दिया। अभिनेता संजय दत ने एक सीन के दौरान अचानक अपने सह-कलाकार का गला पकड़ लिया, जबकि यह स्क्रिप्ट का हिस्सा नहीं था। जैसे-जैसे उनकी पकड़ मजबूत होती गई, सेट पर मौजूद लोग घबरा गए और शूट रोकने की बात होने लगी। लेकिन निर्देशक सुभाष घई ने 'कट' नहीं कहा और कैमरे चलते रहने दिए। बाद में सुभाष घई ने बताया कि यह इम्प्रोवाइजेशन सीन के लिए फायदेमंद साबित हुआ। अचानक हुए इस बदलाव से कलाकारों की असली प्रतिक्रिया कैमरे में कैद हो गई, जिसने सीन को और ज्यादा वास्तविक और प्रभावशाली बना दिया। 1993 में रिलीज हुई यह फिल्म आज भी हिंदी सिनेमा की क्लासिक मानी जाती है और इसके ऐसे कई किस्से आज भी चर्चा में रहते हैं।

अल्कराज बाहर, जोकोविच के लिए खुला ग्रैंड स्लैम रास्ता

यूनिक समय, नई दिल्ली। टेनिस जगत के लिए एक बड़ा झटका सामने आया है, जहां दुनिया के नंबर-2 खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने 2026 के फ्रेंच ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। कलाई की चोट से पूरी तरह उबर न पाने के कारण उन्होंने यह कठिन फैसला लिया। अल्कराज इस टूर्नामेंट के डिफेंडिंग चैंपियन थे, जिससे उनके बाहर होने से प्रतियोगिता का समीकरण पूरी तरह बदल गया है।

पिछले साल अल्कराज ने फाइनल में यानिक सिनर को हराकर खिताब जीता था। वह मुकाबला टेनिस इतिहास के सबसे लंबे और रोमांचक फाइनल्स में से एक रहा, जो करीब पांच घंटे से ज्यादा चला। ऐसे में इस बार उनके खिताब बचाने की उम्मीदें काफी मजबूत मानी जा रही थीं, लेकिन चोट ने उनके अभियान पर विराम लगा दिया।

अल्कराज की यह चोट बार्सिलोना ओपन के दौरान लगी थी, जब उन्हें ओटो विर्टेनन के खिलाफ मैच के बीच में ही रिटायर होना पड़ा। मैच के दौरान उन्हें मेडिकल सहायता लेनी पड़ी और इसके बाद उन्होंने ट्रेनिंग भी रोक दी। मेडिकल जांच में साफ हो गया कि उनकी कलाई समय पर पूरी तरह ठीक नहीं हो पाएगी, जिसके चलते उन्होंने फ्रेंच ओपन के साथ-साथ इटैलियन ओपन से भी नाम वापस ले लिया।

अल्कराज के बाहर होने से अब सबसे ज्यादा चर्चा नोवाक जोकोविच को लेकर हो रही है। जोकोविच पहले ही टेनिस इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में गिने जाते हैं और अब उनके पास अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सुनहरा मौका है। अल्कराज जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के हटने से उनका रास्ता कुछ हद तक आसान जरूर हो गया है, हालांकि टेनिस जैसे खेल में किसी भी खिलाड़ी को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

फ्रेंच ओपन हमेशा से ही क्ले कोर्ट पर खेले जाने वाला एक चुनौतीपूर्ण टूर्नामेंट रहा है, जहां फिटनेस और धैर्य दोनों की कड़ी परीक्षा होती है। ऐसे में चोटिल खिलाड़ियों के लिए यहां टिक पाना मुश्किल होता है। अल्कराज का बाहर होना इस बात को भी दर्शाता है कि शीर्ष स्तर पर फिटनेस कितनी महत्वपूर्ण होती है।

अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या जोकोविच इस मौके का फायदा उठाकर इतिहास रच पाएंगे, या फिर कोई नया खिलाड़ी इस बार चौंकाने वाला प्रदर्शन करेगा। इतना तय है कि अल्कराज की गैरमौजूदगी ने इस साल के फ्रेंच ओपन को और भी दिलचस्प बना दिया है।

मऊ में भीषण सड़क हादसा

पांच लोगों की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले में शनिवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। दोहरीघाट थाना क्षेत्र के कुसुम्हा बशारतपुर के पास गोरखपुर–वाराणसी फोरलेन पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और ट्रेलर की आमने–सामने टक्कर में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित कुल पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख–पुकार और अफरा–तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, गोरखपुर जिले के खोराबार क्षेत्र के रानीडीहा निवासी विनय श्रीवास्तव अपनी बेटी की शादी संपन्न कराकर परिवार के साथ झारखंड के रांची से घर लौट रहे थे। वाहन में उनकी पत्नी, बेटा और दो अन्य लोग भी सवार थे। स्कॉर्पियो को दो ड्राइवर चला रहे थे और परिवार का पालतू कुत्ता भी साथ था।

रात करीब 2:30 बजे जैसे ही वाहन शारदा सहायक खंड-32 नहर कॉलोनी के पास पहुंचा, बताया जा रहा है कि चालक को झपकी आ गई। इसके बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर दूसरी लेन में जाकर सामने से आ रहे ट्रेलर से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सभी यात्री उसमें फंस गए।

सूचना मिलते ही पुलिस और

शादी से लौट रहा परिवार हुआ हादसे का शिकार

फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद क्रेन और कटर की मदद से वाहन को काटकर पांचों शव बाहर निकाले गए। इसके बाद सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। क्षेत्राधिकारी घोसी ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कर दिया गया है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतकों के गांव में मातम पसर गया है और शादी की खुशियां अचानक गम में बदल गईं।

किसान के बेटे मनप्रियम ने सीयूईटी पीजी में हासिल की चौथी रैंक

300 में 259 अंक प्राप्त कर रचा इतिहास

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सफलता की खबर आई है। मनप्रियम सिंह ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित कॉमन विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (स्नातकोत्तर) में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे देश में चौथी रैंक हासिल की है। उन्होंने 300 में से 259 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया।

मनप्रियम इस समय लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी छठे सेमेस्टर के छात्र हैं और उन्होंने गणित विषय से यह परीक्षा दी थी। परिणाम घोषित होते ही परिवार और शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई। इससे पहले भी उन्होंने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (स्नातकोत्तर) में 45वीं रैंक हासिल कर अपनी क्षमता साबित की थी। हिंद नगर, कानपुर रोड निवासी मनप्रियम एक किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता यदुनाथ सिंह मुरारी किसान हैं, जबकि माता पंखुड़ी सिंह गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्वाध्याय के बल पर यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

मनप्रियम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता और शिक्षकों को दिया है। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत और अनुशासन से ही यह मुकाम हासिल हुआ है। उनका लक्ष्य देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों में गणित विषय में उच्च अध्ययन और शोध करना है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि पूरा क्षेत्र गर्व महसूस कर रहा है। यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

सीएम योगी ने हेमवती नंदन बहुगुणा को दी श्रद्धांजलि

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी में शनिवार को हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके योगदान को याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुगुणा का जन्म उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में हुआ था और उन्होंने भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे न केवल स्वतंत्रता संग्राम, खासकर भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रहे, बल्कि बाद में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। सीएम योगी ने उन्हें एक

बताया राजनीति का मजबूत स्तंभ

दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि बहुगुणा ने जनसेवा को हमेशा प्राथमिकता दी और अपने कार्यकाल में विकास और सुशासन को आगे बढ़ाया। उनके राजनीतिक जीवन से आज की पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उनके विचारों और योगदानों को याद करते हुए उन्हें एक सशक्त और जनप्रिय नेता के रूप में सम्मानित किया गया।

दलित सियासत में सक्रिय हुई आरपीआई

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित समीकरण को साधने की कोशिशें तेज हो गई हैं। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) ने राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए बड़ा दांव खेलते हुए 26 नवंबर, संविधान दिवस पर लखनऊ में विशाल रैली आयोजित करने का ऐलान किया है। इस रैली में एक लाख कार्यकर्ताओं को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे पार्टी अपनी ताकत के प्रदर्शन के रूप में देख रही है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने कहा कि आरपीआई अब उत्तर प्रदेश के 62 जिलों में संगठन खड़ा कर चुकी है और आने वाले विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाने की तैयारी में है। उन्होंने संकेत दिए कि पार्टी भारतीय जनता पार्टी के साथ तालमेल बनाकर चुनावी मैदान में

भाजपा संग तालमेल की तैयारी

लखनऊ रैली में शक्ति प्रदर्शन का लक्ष्य

उतर सकती है।

आठवले ने दावा किया कि राज्य में बहुजन समाज पार्टी का जनाधार कमजोर हुआ है, जिससे दलित राजनीति में नई संभावनाएं बनी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी भीमराव अम्बेडकर के सिद्धांतों पर चलते हुए वंचित वर्गों को जोड़ने का काम करेगी।

सूत्रों के अनुसार, सीट बंटवारे और गठबंधन को लेकर जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात प्रस्तावित है। वहीं, महिला आरक्षण जैसे मुद्दों पर आठवले ने अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा।

भीषण गर्मी से यूपी बेहाल

काशी के घाटों पर सन्नाटा, कल से मौसम बदलने के आसार

यूनिक समय, वाराणसी/लखनऊ /कानपुर। उत्तर प्रदेश में पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के करीब 60 जिलों में लू चल रही है और तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। सबसे अधिक गर्मी प्रयागराज में दर्ज की गई, जहां अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

काशी घाट पर गर्मी के कारण सन्नाटा पसरा हुआ है। तेज धूप और लू के चलते नाविकों ने दिन के समय नाव संचालन बंद कर दिया है, जिससे पर्यटन गतिविधियां भी प्रभावित हुई हैं। सड़कों पर यात्रियों को राहत देने के लिए कई जगह पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

कानपुर में तापमान ने 18 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जबकि आगरा और गोरखपुर में भी हालात गंभीर बने हुए हैं। लोगों को दोपहर में घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है। वहीं, मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले कुछ जिलों में रातें भी गर्म रहेंगी।

हालांकि राहत की उम्मीद भी है। विभाग के अनुसार रविवार से मौसम में बदलाव शुरू हो सकता है और 26 से 30 अप्रैल के बीच कई जिलों में आंधी–तूफान के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा पर अभ्यर्थियों की प्रतिक्रिया

बोले– आईएएस–पीसीएस स्तर का था पेपर

यूनिक समय, लखनऊ /प्रयागराज/वाराणसी/आगरा। उत्तर प्रदेश में 42 हजार पदों पर हो रही होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। प्रदेश के 1053 परीक्षा केंद्रों पर तीन दिन तक चलने वाली इस परीक्षा में लगभग 25 लाख अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। शनिवार को पहली पाली की परीक्षा संपन्न होने के बाद कई अभ्यर्थियों ने पेपर को बेहद कठिन बताया। आजमगढ़ से परीक्षा देकर निकले उमेश ने कहा कि प्रश्नपत्र की कठिनाई स्तर काफी ऊंचा था। उनके अनुसार पेपर आईएएस और पीसीएस स्तर जैसा लगा, जबकि होमगार्ड भर्ती के हिसाब से यह बहुत कठिन था। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि यही स्तर रखना था तो शारीरिक परीक्षा कराना बेहतर होता। अभ्यर्थियों के अनुसार परीक्षा में सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों से अधिक प्रश्न पूछे गए। कई जगहों पर प्रश्नों की जटिलता ने उम्मीदवारों को परेशान किया। वहीं प्रतापगढ़ के आलोक सरोज ने बताया कि पेपर ठीक–ठाक था और इसमें नकारात्मक अंकन नहीं था, लेकिन भूगोल और इतिहास से बहुत कम प्रश्न आए। गोरखपुर, वाराणसी और मिर्जापुर सहित अन्य जिलों में भी अभ्यर्थियों ने मिश्रित प्रतिक्रिया दी। कुछ ने पेपर को संतुलित बताया तो कई ने इसे कठिन करार दिया। गोरखपुर की शशिबाला, जिन्होंने बीएड और सीटेट जैसी परीक्षाएं पास की हैं, ने कहा कि नौकरी की कमी के कारण वे हर प्रतियोगी परीक्षा में शामिल हो रही हैं। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली। कई जगहों पर बायोमेट्रिक जांच, रेटिना स्कैन और सघन तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया गया। जौनपुर और संभल जैसे जिलों में जूते, बेल्ट, कलावा और ताबीज तक उतरवाए जाने की घटनाएं सामने आईं, जिससे अभ्यर्थियों में नाराजगी भी दिखी। भर्ती परीक्षा तीन दिनों तक चलेगी और पूरे प्रदेश में पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। प्रशासन का कहना है कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता और सुरक्षा के साथ संपन्न कराया जा रहा है।

बंगाल चुनाव में निष्पक्षता पर सवाल

पांच पुलिस अधिकारी निलंबित

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान निष्पक्षता पर उठे सवालों के बीच चुनाव आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। 23 अप्रैल को हुए मतदान में कथित पक्षपात और दुर्व्यवहार के आरोपों में पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद चुनावी माहौल में हड़कंप मच गया है। निलंबित

अधिकारियों में एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के साथ उप पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारी स्तर के अधिकारी शामिल हैं। सभी अधिकारी डायमंड हार्बर क्षेत्र में तैनात थे। आरोप है कि मतदान के दिन इन्होंने निष्पक्षता नहीं बरती और आचार संहिता का उल्लंघन किया। चुनाव आयोग ने उपलब्ध शिकायतों और साक्ष्यों के आधार पर यह कदम उठाया है।

इसके अलावा डायमंड हार्बर की पुलिस अधीक्षक को भी चेतावनी जारी की गई है, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों पर नियंत्रण रखने में लापरवाही बरती। आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि मतदान के दौरान कई जगहों पर झड़प और हिंसा की घटनाएं भी सामने आई थीं, जिसके बाद आयोग ने सख्ती बढ़ा दी है।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत की अनोखी अपील

'चार बच्चे पैदा करें, उनमें से एक संघ को समर्पित करें'

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के मौके पर नागपुर में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वयंसेवकों से समाज और संगठन के लिए अधिक जिम्मेदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि परिवारों को चार बच्चों का पालन–पोषण करना चाहिए और उनमें से एक को संघ के कार्य के लिए समर्पित करना चाहिए। यह बयान ऐसे समय में आया है जब संघ देशभर में अपने 100 वर्ष पूरे होने पर व्यापक जनसंपर्क और विस्तार अभियान चला रहा है। नागपुर में आयोजित 'भारतदुर्गा शक्तिस्थल' और 'धर्म सभा' कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद थे। भागवत ने इस दौरान संघ की सेवा भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि आपदा के समय संगठन के कार्यकर्ता सबसे पहले सहायता के लिए आगे आते हैं और यही उसकी असली पहचान है। अपने भाषण में उन्होंने भारत की वैश्विक भूमिका पर भी जोर दिया और विश्वास जताया कि आने वाले समय में देश 'विश्वगुरु' के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए

समाज के हर वर्ग को सकारात्मक सोच और समर्पण के साथ काम करना होगा। भागवत ने अपने विचार को मजबूत करने के लिए राम मंदिर आंदोलन का उदाहरण भी दिया और कहा कि बड़े लक्ष्य समय और धैर्य से ही पूरे होते हैं।
इस बीच संघ के अन्य पदाधिकारियों ने भी शताब्दी वर्ष के अभियान के तहत समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की जानकारी दी। हालांकि, भागवत के 'चार बच्चे' वाले बयान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस तेज हो गई है। कई लोग इसे संगठन को मजबूत करने की अपील मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे जनसंख्या और सामाजिक संतुलन के संदर्भ में देख रहे हैं।

सामान्य प्रवेश परीक्षा में जनेऊ उतरवाने का विवाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में सामान्य प्रवेश परीक्षा के दौरान एक बड़ा विवाद सामने आया है, जहां कुछ छात्रों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले जनेऊ उतारने के लिए कथित तौर पर मजबूर किया गया। इस घटना के बाद परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, वहीं कॉलेज प्रशासन ने तीन प्रोफेसरों को निलंबित कर दिया है।

यह घटना 24 अप्रैल की बताई जा रही है, जब परीक्षा के पहले दिन कई छात्र जनेऊ पहनकर केंद्र पहुंचे थे। आरोप है कि सुरक्षा जांच के दौरान उन्हें इसे हटाने के लिए कहा गया, जिसके चलते कुछ छात्रों ने मजबूरी में जनेऊ उतार दिया। छात्रों और उनके परिवारों ने इसे धार्मिक आस्था से जुड़ा मुद्दा बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई।

घटना की जानकारी मिलते ही

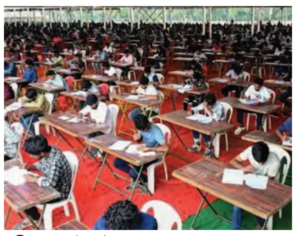

तीन प्रोफेसर निलंबित

अभिभावक परीक्षा केंद्र पहुंचे और प्रशासन से जवाब मांगा। उनका कहना है कि जनेऊउनके धार्मिक विश्वास का अहम हिस्सा है, जिसे हटाने के लिए मजबूर करना गलत है।

मामले को गंभीर मानते हुए कर्नाटक सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। वहीं विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मामला बताया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

केजरीवाल के घर पर सियासत तेज

आतिशी ने आरोपों को बताया फर्जी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में एक बार फिर घमासान तेज हो गया है। आतिशी ने भाजपा नेता प्रवेश साहिब सिंह वर्मा द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल के घर की बताई जा रही तस्वीरें पूरी तरह फर्जी हैं।

आतिशी ने कहा कि इन तस्वीरों का केजरीवाल के आवास से कोई संबंध नहीं है।

उन्होंने खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि सच्चाई जाननी है तो मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल भी अपने–अपने घर जनता के लिए खोल दें। उन्होंने यह भी कहा कि केजरीवाल भी अपना

घर दिखाने को तैयार हैं, ताकि लोग खुद सच्चाई देख सकें। वहीं भाजपा की ओर से केजरीवाल पर सरकारी सुविधाओं के दुरुपयोग और आलीशान जीवनशैली अपनाने के आरोप लगाए गए हैं। इस मुद्दे पर दोनों दलों के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिससे राजधानी की सियासत और गरमा गई है।

कोर्ट के फैसले से टैरिफ विवाद गहराया

अरबों डॉलर लौटाने का दबाव ट्रंप पर बढ़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में आयात शुल्क को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अदालत के फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे देश को भारी आर्थिक झटका लग सकता है। दरअसल, अदालत ने माना कि सरकार ने शुल्क लगाने में तय अधिकारों से आगे बढ़कर फैसला लिया था।

इस फैसले के बाद अब अमेरिका पर उन देशों को अरबों डॉलर लौटाने का दबाव बन गया है, जिनसे अतिरिक्त शुल्क वसूला गया था। बताया जा रहा है कि यह रकम बेहद बड़ी हो सकती है, जिससे आर्थिक और राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

ट्रंप ने इस फैसले को अनुचित बताते हुए कहा कि ये शुल्क देश के हित में लगाए गए थे और इससे घरेलू उद्योगों को मजबूती मिली थी। उन्होंने चेताया कि इस निर्णय से अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

इस पूरे मामले ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और अमेरिका की आर्थिक नीतियों पर नई बहस छेड़ दी है।

सुपरपावर देशों में वैज्ञानिकों की रहस्यमयी मौतों से बढ़ी चिंता, जांच तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया की दो बड़ी ताकतें अमेरिका और चीन इन दिनों एक गंभीर और रहस्यमयी घटनाक्रम से जूझ रही हैं। रक्षा और अत्याधुनिक तकनीक से जुड़े कई शीर्ष वैज्ञानिकों की अचानक मौतें और गुमशुदगी के मामले सामने आ रहे हैं, जिसने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इन घटनाओं में शामिल कई वैज्ञानिक अंतरिक्ष, परमाणु और सैन्य तकनीक जैसे बेहद संवेदनशील क्षेत्रों में कार्यरत थे।

अमेरिका में कुछ वैज्ञानिक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए, जबकि कुछ की असामान्य हालात में मौत हो गई। इसी तरह चीन में भी सैन्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े विशेषज्ञों की अचानक मौतों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इन मामलों में एक समान पैटर्न भी सामने आया है–कई लोग घर से बिना जरूरी सामान के निकले और फिर उनका कोई पता नहीं चला। इसने किसी बड़ी साजिश की आशंका को जन्म दिया है, हालांकि अब तक कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन वैज्ञानिकों का काम भविष्य की रक्षा तकनीकों से जुड़ा था, इसलिए उनकी अनुपस्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर डाल सकती है। दोनों देशों ने इन घटनाओं की जांच तेज कर दी है।

राघव चड्ढा के इस्तीफे से सियासत में भूचाल

कुमार विश्वास का महाभारत वाला तंज

यूनिक समय, नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका देते हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के पार्टी छोड़ने की खबर से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस घटनाक्रम के बीच पार्टी के पूर्व नेता कुमार विश्वास ने महाभारत का संदर्भ देते हुए परोक्ष रूप से अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। कुमार विश्वास ने अपनी चर्चित कविता की पंक्तियां साझा कर संकेत दिया कि जब नेतृत्व सिद्धांतों से भटकता है तो संगठन कमजोर होने लगता है। उनकी यह प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और इसे

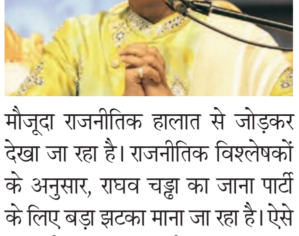

मौजूदा राजनीतिक हालात से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, राघव चड्ढा का जाना पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। ऐसे समय में जब संगठन को एकजुटता की जरूरत है, यह घटनाक्रम अंदरूनी मतभेदों को उजागर करता है। फिलहाल इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है, लेकिन सियासी माहौल गरमा गया है।

पानीहाटी रैली में भावुक पल

जनसभा में पीएम मोदी के पास बैठी महिला रो पड़ीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के पानीहाटी में आयोजित जनसभा के दौरान एक भावुक दृश्य सामने आया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बगल में बैठी एक महिला मंच पर ही रो पड़ीं। यह महिला रतना देबनाथ हैं, जो एक चर्चित दुष्कर्म और हत्या मामले की पीड़िता की मां हैं और इस बार विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने उनका हालचाल पूछा और सांत्वना देते हुए उनके सिर पर हाथ फेरा। इस दौरान महिला अपने आंसू नहीं रोक सकीं और भावुक होकर रोने लगीं। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के साथ–साथ सोशल मीडिया पर भी तेजी से फैल

गया। रतना देबनाथ ने बताया कि वे न्याय और कड़े कानून की मांग को लेकर चुनाव मैदान में उतरी हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। इस घटना ने महिला सुरक्षा और न्याय के मुद्दे को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है।

चीन से दूरी के बाद भारत ने बढ़ाया हाथ

मालदीव को मिली बड़ी आर्थिक मदद

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक रूप से अहम मालदीव एक बार फिर भारत के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करता नजर आ रहा है। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद जहां देश ने चीन की ओर झुकाव दिखाया था, वहीं अब आर्थिक संकट के बीच भारत उसके लिए सहारा बनकर सामने आया है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट के चलते मालदीव ने भारत से मदद की उम्मीद जताई, जिस पर नई दिल्ली ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए करीब 3000 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध कराई है। यह सहायता क्षेत्रीय सहयोग व्यवस्था के तहत दी गई है, जिसका उद्देश्य सदस्य देशों को अल्पकालिक आर्थिक संकट से उबारना है। इससे पहले भी भारत कई बार मालदीव की मदद कर चुका है और अब तक उसे अरबों डॉलर की आर्थिक सहायता मिल चुकी है। इस कदम को भारत की पड़ोसी देशों को प्राथमिकता देने की नीति के रूप में देखा जा रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच भरोसा और सहयोग और मजबूत हुआ है।

क्षुब्ध ग्रामीण ने फंदा लगा की आत्महत्या

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना गोवर्धन के गांव पलसों में ठेकेदार के यहां अपनी गाड़ी चलाने वाले व्यक्ति ने बैंक के दबाव में आकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

मृतक के छोटे भाई की पत्नी बबिता ने बताया की उनके जेठ नन्दराम पुत्र ब्रह्मानन्द किसी शिव सिंह नामक ठेकेदार के यहां अपनी गाड़ियां चलाते हैं। हाल ही में करीब आधा दर्जन हायवा ट्रक एक जेसेबी सहित एक महिंद्रा थार गाड़ी ठेकेदार शिव सिंह के यहां चल रही हैं। ठेकेदार द्वारा मृतक नंदराम से तय था की उसके यहां चलने

बैंक की किस्त अदा न होने व ठेकेदार के भुगतान न देना बनी वजह

परिवार का घटना के बाद रो-रोकर है बुराहाल

वाले उसके सभी वाहनों की मासिक किस्त उसकी कंपनी द्वारा भरी जायेगी। मगर कम्पनी द्वारा कई महीने से न तो गाड़ियों की किस्त अदा की गई न ही गाड़ियों को किसी अन्य ठेकेदार के यहां चलाने के लिये दिया जा रहा था। दूसरी तरफ जिस बैंक से गाड़ियों पर लोन था उस बैंक के कर्मचारियों द्वारा लगातार मृतक पर किस्त जमा करने का दबाव बनाया जा रहा था। इसी से आहत होकर मृतक ने फंदा लगा लिया, परिजनों ने नंदराम को फंदे से नीचे उतारा और आनन फानन में परिजन नन्दराम को उपचार के लिये प्राइवेट अस्पताल लेकर गये जहां इलाज के दौरान मृतक ने दम तोड़ दिया। नन्दराम की मौत की सूचना मिलते ही गांव में सन्नाटा पसर गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का घटना के बाद रो-रो कर बुरा हाल है।

एक परिवार की चारों बेटियों ने परीक्षा में परचम फहराया

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। यूपी बोर्ड के हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में गांधी इंटर कॉलेज छाता के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए क्षेत्र का नाम गौरव से ऊंचा कर दिया है। परीक्षा में कुमारी शालू 73% कुमारी तनुजा 72%, चेतन, 71%, शिल्पी 67% शिवम प्रताप 67% छात्र/छात्राओं ने प्रतिशत/अंक प्राप्त कर स्थान प्राप्त किया है। चारों छात्र छात्राएं एक ही परिवार से है। घर में उत्सव का माहौल है।

सफलता की सूचना मिलते ही बच्चों के पिता अजय सिंह, डॉ. वीरपाल ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। प्रधानाचार्य वीके सारस्वत ने कहा कि यह उनकी कड़ी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है।

रंगनाथ मंदिर में मनाया प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। भगवान श्री राम का जन्म उत्सव जहां विभिन्न देवालयों में एक महीने पहले मनाया गया वहीं दक्षिण भारतीय शैली के श्री रंगनाथ मंदिर में सौर पंचांग के अनुसार शनिवार को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के मध्य राम नवमी उत्सव मनाया गया। तीन दिन तक मनाए जाने वाले इस उत्सव के समापन दिवस पर शनिवार को भगवान राम, लक्ष्मण और जानकी जी का पंचामृत अभिषेक किया गया।

वृंदावन स्थित उत्तर भारत के प्रसिद्ध रंगनाथ मंदिर में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर प्रभु श्रीराम, सीता और लक्ष्मण दर्शन की झांकी

प्रसिद्ध रंगनाथ मंदिर में भगवान राम, माता सीता और भाई लक्ष्मण जी का पांच पवित्र नदियों के जल और जड़ी बूटियों से मिश्रित जल से अभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान का दूध, दही, घी, शक्कर और शहद से अभिषेक हुआ। भगवान श्री राम के जन्म उत्सव पर रंगनाथ मंदिर में दक्षिण भारतीय ब्राह्मणों द्वारा मंत्रों का उच्चारण किया गया। मंत्रों और पाठ के बीच मंदिर के पुजारियों ने भगवान राम, माता सीता और भाई लक्ष्मण के मूल और उत्सव विग्रह का अभिषेक किया। इसके बाद भगवान की आरती की गई।

अभिषेक के बाद भगवान के दर्शन श्रृंगार के लिए बंद कर दिए गए। करीब डेढ़ घंटे बाद भगवान का मनोहारी श्रृंगार किया गया।

बेशकीमती रत्नों से जड़ित हार, मुकुट, कानों के कुंडल भगवान को धारण कराए गए। इसके बाद उनकी कुंभ आरती कर नजर उतारी गई। भगवान श्री राम के जन्म उत्सव पर भगवान श्री रंगनाथ मंदिर प्रभु श्री राम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। प्रभु के अभिषेक और उनके श्रृंगार के दर्शन कर भक्त आनंद में सराबोर हो गए।

बिना पंजीकरण के कारोबारियों का चालान, नियम मानने की सख्त हिदायत

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर के आसपास खाद्य विभाग की टीम ने पेड़ा बेचने वाली दुकानों पर छापा मारा। सहायक आयुक्त (खाद्य) धीरेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह के नेतृत्व में टीम ने मंदिर के गेट नंबर एक और दो के पास दुकानों की जांच की। जांच के दौरान बिना खाद्य पंजीकरण के कारोबार करने वालों के चालान किए गए। दुकानदारों को साफ निर्देश दिए गए कि बिना रेट लिस्ट मिठाई न बेचें, खरीद के बिल संभालकर रखें और साफ-सुथरी व अच्छी गुणवत्ता की मिठाई ही बेची जाए। साथ ही पेस्ट कंट्रोल और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र का रिकॉर्ड भी रखने को कहा गया। टीम ने मुरली मनोहर मिष्ठान भंडार और लाला भइया पेड़े वाले की दुकान से पेड़ा के दो सैंपल लिए, जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा गया है। छापे की खबर मिलते ही आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया और कई दुकानों के शटर बंद हो गए।

श्रद्धालुओं की गाड़ी से चोरी करने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार, माल बरामद

वृंदावन पुलिस की गिरफ्त में दो चोर।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को पुख्ता करने के अभियान के तहत वृंदावन पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने श्रद्धालुओं की गाड़ी से कीमती सामान चोरी करने वाले दो शातिर सगे भाइयों को चोरी के माल समेत गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने बारहघाट लाडली निकुंज गेट परिक्रमा मार्ग से सुनरख कच्चे रास्ते की ओर से घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रिंकू और उसके भाई अजय के रूप में हुई है। दोनों आरोपी मोहन नगर कॉलोनी के निवासी बताए जा रहे हैं। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान बरामद किया है, जिसमें एक सोने की जंजीर, एक अंगूठी, एक जोड़ी पायल और एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन शामिल है। बताया जा रहा है कि दोनों भाई मिलकर सुनसान स्थानों पर खड़ी श्रद्धालुओं की गाड़ियों को निशाना बनाते थे। पुलिस फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि अन्य वारदातों का खुलासा हो सके। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

महावन में निकाली भगवान परशुराम शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। ब्राह्मण समाज संगठन महावन (पुरानी गोकुल) द्वारा भगवान परशुराम शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। शोभायात्रा का शुभारंभ रात्रि लगभग 9 बजे चैतन्य गौड़ीय मठ मंदिर से हुआ, जो बस स्टैंड, बंदी दरवाजा, चौक बाजार, सूती चौक, पनिया ढाल होते हुए प्राचीन परशुराम मंदिर 84 खम्मा पर पहुंचकर संपन्न हुई।

यात्रा में भगवान गणेश, भोलेनाथ, राधा-कृष्ण, मां दुर्गा और पवनपुत्र हनुमान सहित एक दर्जन से अधिक आकर्षक झांकियां शामिल रहीं, जिन्होंने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। फूलों से सुसज्जित भगवान परशुराम जी का रथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पूरे मार्ग में श्रद्धालु एवं व्यापारी जगह-जगह आरती करते नजर आए। विशाल गोरिल्ला झांकी ने बच्चों और युवाओं में रोमांच भर दिया। बैंड-बाजों और धार्मिक धुनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर रूप किशोर शर्मा, दिनेश स्वामी, इंजीनियर राजकुमार शर्मा, राजेश पाठक, संजय दीक्षित, मनीषा पाराशर, गोविंद शर्मा, आशीष चतुर्वेदी, दिनेश फलाहारी, हिमकर तिवारी, हरिशंकर पांडे, जितेंद्र पांडे, चंद्र प्रकाश लोहवनिया, ओम उपाध्याय, चंद्रशेखर पांडे, मनीष पांडे, सौरभ मिश्रा, विजय शर्मा, बबलू उपाध्याय, प्रदीप उपाध्याय, अनिल पांडे, भोला पाराशर, प्रदीप द्विवेदी, प्रीतम शर्मा, पवन शर्मा, कन्हैया स्वामी, मोहन शर्मा सहित बड़ी संख्या में विप्र समाज के लोग उपस्थित रहे।

परलोक वासियों के उद्धार को पुरुषोत्तम मास में होगी श्रीमद्भागवत कथा

यूनिक समय, मथुरा। लंकेश भक्त मंडल की ओर से पुरुषोत्तम मास में अब तक परलोक सिधारने वाली सभी देवतुल्य आत्माओं के उद्धार के लिए यमुना तलहटी स्थित श्मशान घाट पर श्रीमद्भागवत कथा होगी। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।

लंकेश भक्त मंडल के अध्यक्ष ओमवीर सारस्वत एडवोकेट ने बताया कि तीन वर्ष बाद 17 मई से पुरुषोत्तम मास शुरू होने जा रहा है। जिसमे लंकेश भक्त मंडल ने निर्णय लिया गया है कि अब तक परलोक सिधारने वाली समस्त देवतुल्य आत्माओं के जिन शरीरों का पतित पावनी यमुना मां की तलहटी में दोनों साइडों पर पंचतत्व में विलीन किया गया है उन सब के उद्धार के लिए यमुना मईया की तलहटी में श्रीमद्भागवत कथा कराई जाएगी। अधिकमास का समापन 16 जून को होगा।

श्रीमद्भागवद कथा नौ जून से शुरू होगी और इसका समापन 15 जून को होगा। प्रत्येक दिन कथा दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक होगी। कथा व्यास आचार्य सुधांशु महाराज होंगे। कार्यक्रम दशानन महाराज मंदिर पर यमुना तलहटी स्थित श्मशान घाट के पास यमुनापार मथुरा में नए पुल के नीचे होगा।

समस्त देवतुल्य आत्माओं का आहवान विद्वान ब्राह्मणों द्वारा किया जाएगा, देवताओं की भांति उनको अलग स्थान पर गद्दी दी जाएगी। श्रीमद्भागवद कथा के समापन पर हवन यज्ञ भी किया जाएगा जिसमें समस्त देवतुल्य आत्माओं को देवताओं के साथ प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। कार्यक्रम में उन समस्त परिवारों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने परिवार के लोगों की अंतिम यात्रा मां यमुना की तलहटी तक की है और उनके शरीरों को यमुना मईया की तलहटी में दोनों ओर पंचतत्वों में विलीन कराया है। संगीत मय श्रीमद्भागवद कथा के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। कार्यक्रम में बड़े बड़े साधु संतों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

अड़ींग में दो दिन से पानी संकट मोटर खराब, ग्रामीण दूर से ला रहे पानी

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। ब्लॉक के ग्राम अड़ींग के नगरेल्ला मोहल्ले में पिछले दो दिनों से पानी का गंभीर संकट बना हुआ है। मोटर खराब होने के कारण ग्रामीणों को भीषण गर्मी में पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पानी की मोटर खराब होने से मोहल्ले में जलापूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। इसका असर स्थानीय निवासियों के साथ-साथ राहगीरों पर भी पड़ रहा है, जिन्हें पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। स्थानीय निवासी हरचरण ने जानकारी दी कि भीषण गर्मी में पानी की उपलब्धता बेहद जरूरी है। मोटर खराब होने के कारण उन्हें दूर-दराज के इलाकों से पानी लाना पड़ रहा है। इस समस्या से महिलाएं और बुजुर्ग विशेष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। बबली ने बताया कि दो दिनों से पानी नहीं आ रहा है, जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। गुड़िया नामक ग्रामीण ने भी पानी न आने की पुष्टि की और बताया कि उन्हें दूर से पानी लाना पड़ रहा है।बबीता ने अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा कि वे पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं और लगभग 2 किलोमीटर दूर से पानी लाकर गुजारा कर रहे हैं। जेई ने बताया कि मोटर खराब हो गई है। मैकेनिक मोटर लेने के लिए बाहर गए हुए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि मोटर आते ही जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

वृन्दावन शोध संस्थान और ख्वाजा मोइनुद्दीन विश्वविद्यालय के बीच समझौता

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। रामपुर रजा पुस्तकालय में शनिवार को वृन्दावन शोध संस्थान और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के मध्य मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर समझौता पर हस्ताक्षर किए गए।

वृन्दावन शोध संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी एवं प्रशासनाधिकारी रजत शुक्ला, रामपुर रजा पुस्तकालय के निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र एवं ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति डॉ. अजय तनेजा डॉ. अब्दुल हफीज (समन्वयक), डॉ. मोहम्मद अकमल, डॉ. आरिफ अब्बास एवं यूसुफ अयाज़ उपस्थित थे।

एमओयू के अवसर पर पदाधिकारी।

यह समझौता ज्ञापन तीनों संस्थानों के बीच अनुसंधान, अनुवाद, प्रदर्शनी, सेमिनार, संगोष्ठी एवं अन्य शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए सहमति व्यक्त की गई। यह समझौता ज्ञापन भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन एवं वैश्विक प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। रामपुर रजा पुस्तकालय के निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र ने कहा कि आज का दिन पुस्तकालय के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है और यह उसके दीर्घकालिक स्वप्न की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कहा कि पुस्तकालय में उपलब्ध दुर्लभ पांडुलिपियां विश्वभर के विद्वानों को आकर्षित करती हैं और यहां जापान, कोरिया, यूरोप, अमेरिका और ईरान सहित अनेक देशों से शोधार्थी अध्ययन के लिए आते हैं। नवाबों के सतत संरक्षण से समृद्ध यह धरोहर आज बहुभाषिक, बहुविषयक और बहुसांस्कृतिक स्वरूप में विकसित हो चुकी है, जिसमें 20 से अधिक भाषाओं और विभिन्न विषयों-जैसे आयुर्वेद, यूनानी, राजनीति एवं समाजशास्त्र आदि से संबंधित महत्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध है।

वृंदावन शोध संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी ने कहा कि डॉ. पुष्कर मिश्र से हुई मुलाकात के दौरान ही इस (एमओयू) की आधारशिला रखी गई थी और दोनों संस्थानों ने मिलकर कार्य करने का निर्णय लिया था। संचालन आस्था भारती झा ने किया।